

# स्वागतम्



प्रधानमन्त्री कृषि आधुनिकीकरण परियोजना



# प्रस्तुतिक्रम



- ✓ परियोजनाको संक्षिप्त परिचय
- ✓ परियोजनाको हालसम्मको कार्यान्वयन अवस्था तथा उपलब्धिहरु
- ✓ चालु आ.व. २०७९/८० मा परियोजना कार्यान्वयनको अवस्था, प्रगति तथा उपलब्धिहरु
- ✓ परियोजनासंग सम्बन्धित समस्या र चुनौतिहरु
- ✓ मेडियाहरुले परियोजनाको बारेमा के भन्छन्
- ✓ परियोजनासँग सम्बन्धित गतिविधिका झलकहरु



# संक्षिप्त परिचय



कृषिमा आधारित अर्थतन्त्रबाट कृषिजन्य उद्योगमा रूपान्तरित आधुनिक, व्यावसायिक, दिगो एवं आत्मनिर्भर कृषि क्षेत्रको विकास गर्ने सोच सहित कृषि तथा पशुपन्छी विकास मन्त्रालय मातहत सञ्चालित परियोजनाका रूपमा रहेको ।

## परियोजनाको प्रमुख परिचयात्मक विशेषताहरू :

- परियोजना अवधि: २०७३ श्रावण-२०८३ असार (१० वर्ष) ।
- स्वदेशी सोच, स्वदेशी श्रोत-साधन तथा आन्तरिक जनशक्तिबाट तर्जुमा गरी कार्यान्वयनमा रहेको
- कृषि विकास रणनीति (ADS) कार्यान्वयनका लागि सहयोगी परियोजनाका रूपमा रहेको
- पन्ध्रौं योजनामा रूपान्तरणकारी आयोजनाको रूपमा पहिचान गरिएको ।
- परियोजनाको शुरुको प्रक्षेपित कुल बजेट: १ खर्ब ३० अर्ब रुपैया ।
- परियोजनाको कार्य क्षेत्र: ७७ जिल्ला (५८ वटा परियोजना कार्यान्वयन एकाइहरू तथा १ वटा व्यवस्थापन एकाइ मार्फत)
- संघ, प्रदेश र स्थानीय तहको सहकार्य र समन्वयमा संचालित परियोजना ।



# परियोजनाको सोच, लक्ष्य एवं उद्देश्य

## सोच

कृषिमा आधारित अर्थतन्त्रबाट कृषिजन्य उद्योगमा रूपान्तरित आधुनिक, व्यावसायिक, दिगो एवं आत्मनिर्भर कृषि क्षेत्रको विकास गर्ने

## लक्ष्य

समग्र कृषि मूल्य शृङ्खलाका अवयवहरूको एकीकृत संयोजन र परिचालनमार्फत खाद्य पोषण सुरक्षा सुनिश्चित गर्दै कृषि औद्योगिकीकरण उन्मुख दिगो आर्थिक अवसरहरू सिर्जना गरी राष्ट्रको समग्र विकासमा टेवा पुर्याउने ।

## उद्देश्यहरू

१. प्रमुख कृषि उपजहरूको विशिष्टीकृत क्षेत्रहरू निर्माण गर्ने,
२. निर्यातयोग्य कृषि वस्तुहरूको मूल्य अभिवृद्धि गर्दै प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता अभिवृद्धि गर्ने,
३. कृषिलाई सम्मानजनक नाफामुखी व्यवसायका रूपमा विकास गर्दै रोजगारीका अवसरहरू सृजना गर्ने र
४. बहुसरोकारवाला निकायहरू बीचको कार्यमूलक समन्वय मार्फत प्रभावकारी सेवा प्रवाहको सुनिश्चितता गर्ने ।





## परियोजना सञ्चालनको अवधारणा

- १) कृषियोग्य जमिनको चक्काबन्दी,
- २) विशिष्टीकृत बालीको व्यवसायिकरण,
- ३) उन्नत प्रविधि र गुणस्तरीय पूर्वाधार विकास,
- ४) अन्तराष्ट्रिय बजारमा प्रतिस्पर्धी कृषि औद्योगिकीकरण,
- ५) उपलब्धिमा आधारित सहजीकरण (Smart Output based Facilitation) ।

## परियोजनाको रणनीतिहरू :

- १) भूमिको वैज्ञानिक उपयोग,
- २) आधुनिक कृषि प्रविधिहरूको अवलम्बन,
- ३) कृषिमा यान्त्रिकीकरण,
- ४) कृषि उपजहरूको प्रशोधन तथा बजारीकरण पूर्वाधारहरूको विकास,
- ५) कृषि अनुसन्धान-शिक्षा-प्रसार प्रणालीको सुदृढ समन्वय एवम् आधुनिकीकरण,
- ६) प्रतिफलमा आधारित प्रोत्साहन प्रणालीको अवलम्बन,
- ७) गुणस्तर नियन्त्रण तथा खाद्य स्वच्छता अभिवृद्धि,
- ८) वातावरण परिवर्तन अनुकूलित कृषि प्रणाली अवलम्बन ।



# राष्ट्रिय महत्वका प्राथमिकता प्राप्त बाली/वस्तुहरु



- १) धान
- २) मकै
- ३) गहुँ
- ४) तरकारी
- ५) आलु
- ६) सुन्तलाजात फलफूल (सुन्तला, जुनार, कागती)
- ७) स्याउ/ओखर
- ८) आँप
- ९) केरा
- १०) दुध (गाई, भैसी)
- ११) माछा
- १२) मासु (बाख्रा/च्याङ्ग्रा/भेंडा, बङ्गुर)
- १३) निर्यात प्रवर्द्धन बाली (कफी, अलैची, अदुवा/बेसार)
- १४) दलहन/तेलहन बाली (सिमी, भटमास, मुसुरो, तोरी)
- १५) मौरी

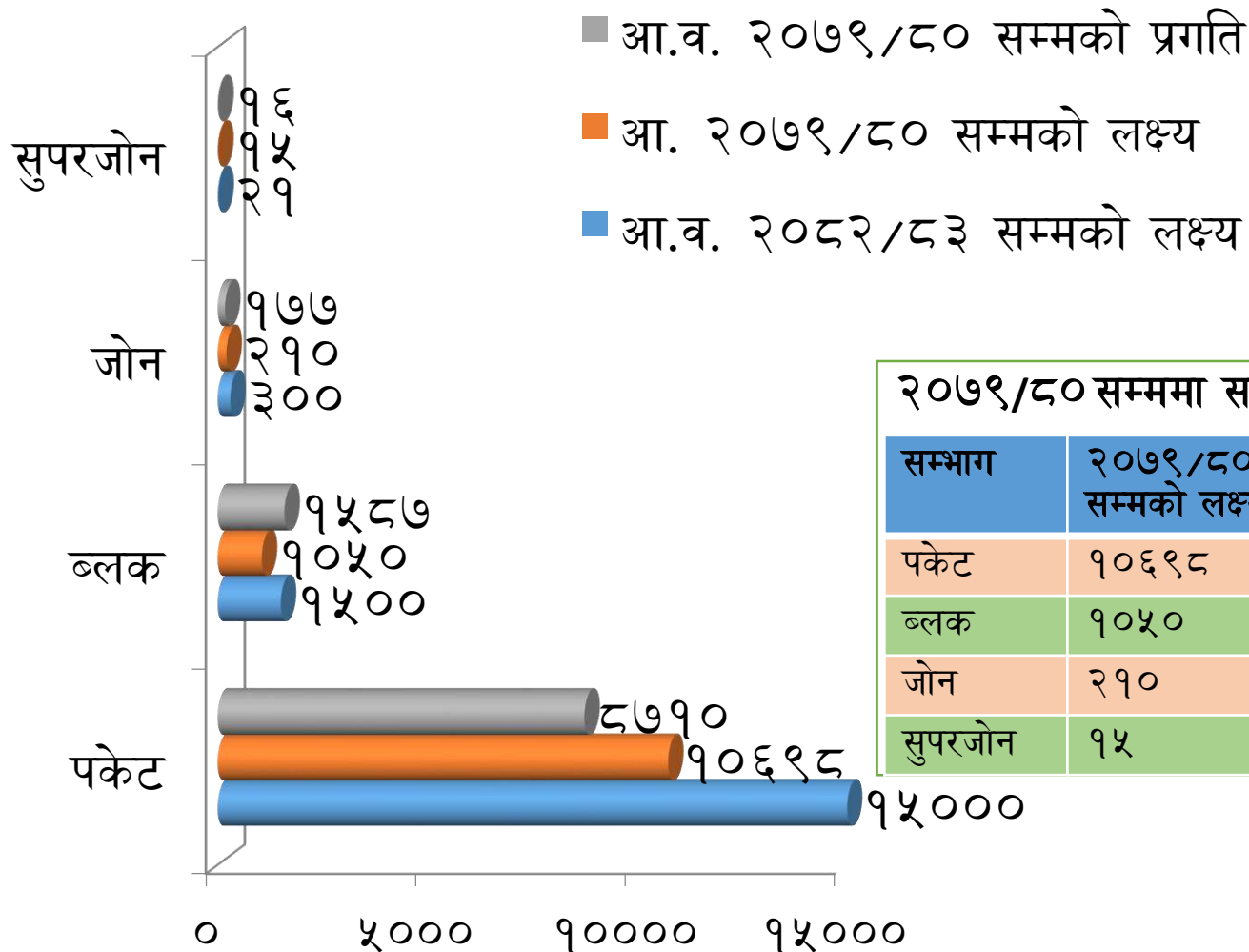
खाद्य तथा  
पोषण  
सुरक्षाका लागि  
आधारभूत  
बाली

आयात  
प्रतिस्थापन

निर्यात  
प्रवर्द्धन



# परियोजना सम्भागहरुको स्थिति



## २०७९/८० सम्ममा सम्भागहरुको प्रगति (घटी/बढी)

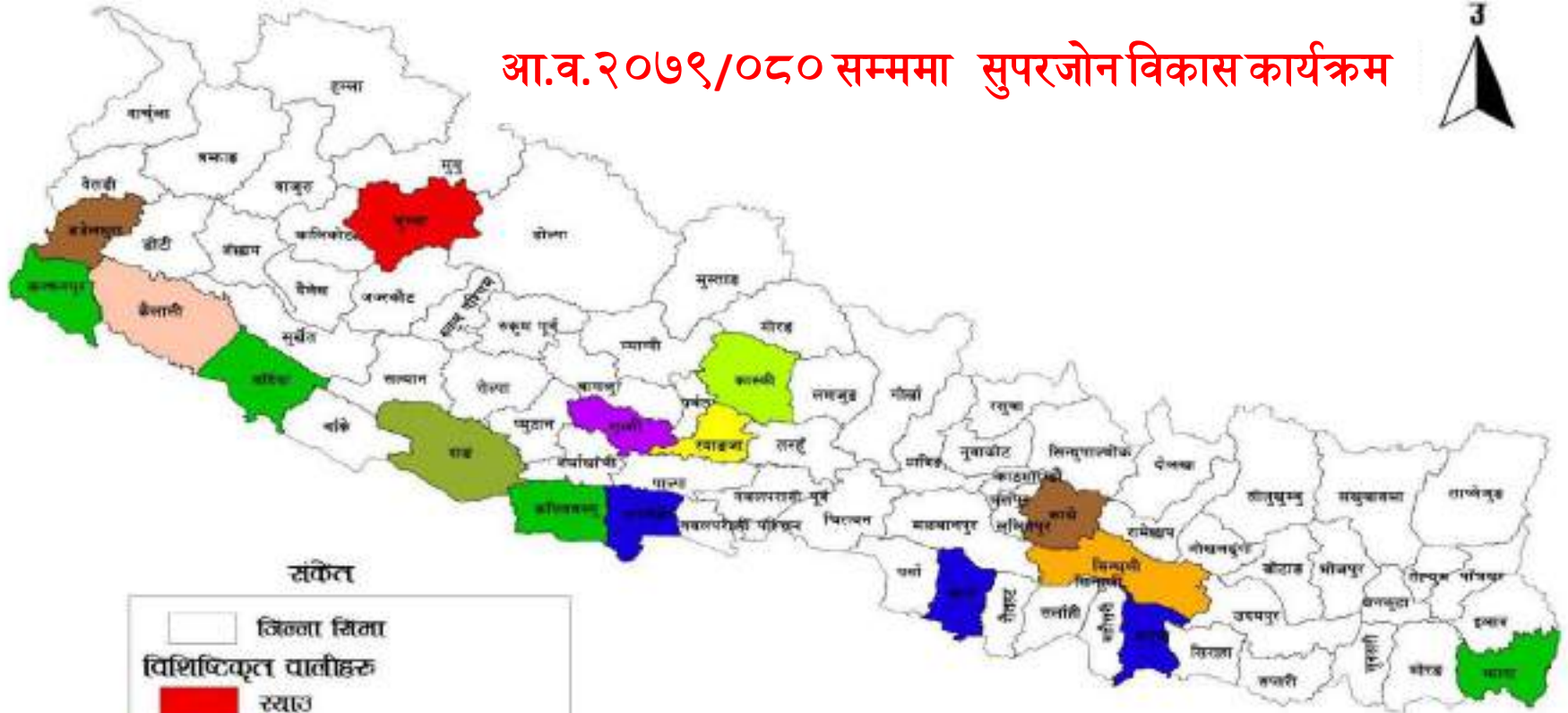
| सम्भाग  | २०७९/८० सम्मको लक्ष्य | २०७९/८० सम्मको प्रगति | घटी/बढी |
|---------|-----------------------|-----------------------|---------|
| पकेट    | १०६९८                 | ८७१०                  | -१९८८   |
| ब्लक    | १०५०                  | १५८७                  | ५३७     |
| जोन     | २१०                   | १७७                   | -३३     |
| सुपरजोन | १५                    | १६                    | १       |



# सुपरजोन विकास कार्यक्रम



आ.व.२०७९/०८० सम्ममा सुपरजोन विकास कार्यक्रम

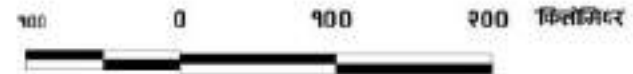


संकेत

जिल्ला सिमा

विशिष्टीकृत घातीहरू

|                   |          |
|-------------------|----------|
| रुद्रा            | जालु     |
| सुदूरपश्चिम फलफूल | दार्चुला |
| कपिल              | गर्ग     |
| माथे              |          |
| जुम्ले            |          |
| मर्क              |          |
| धान               |          |









# जोन/सुपरजोन सञ्चालित जिल्ला



| बाली/वस्तु | जोन    |                                                                                                                                                                                                                                                              | सुपरजोन |                                    |
|------------|--------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------|------------------------------------|
|            | संख्या | जिल्ला                                                                                                                                                                                                                                                       | संख्या  | जिल्ला                             |
| धान        | १९     | मोरङ, सुनसरी, सिरहा, धनुषा, सर्लाही, रौतहट, चितवन, गोरखा, प्युठान, सल्यान, पर्वत, <b>सप्तरी, बारा, पर्सा, नुवाकोट, मकवानपुर, तनहु, बाँके, कैलाली</b>                                                                                                         | ४       | झापा, कञ्चनपुर, कपिलवस्तु, बर्दिया |
| मकै        | १४     | झापा, खोटाङ, सिन्धुपाल्चोक, पर्वत, गुल्मी, रोल्पा, बाँके, बैतडी, धादिङ, <b>ताप्लेजुङ, सर्लाही, गुल्मी, रुकुम पश्चिम, सुर्खेत</b>                                                                                                                             | १       | दाङ                                |
| गहुँ       | ३      | नवलपरासी, <b>रुपन्देही, कञ्चनपुर</b>                                                                                                                                                                                                                         | १       | कैलाली                             |
| बहुबाली    | १      | उदयपुर                                                                                                                                                                                                                                                       |         |                                    |
| तरकारी     | २८     | धनकुटा, सुनसरी, महोत्तरी, पर्सा, नुवाकोट, धादिङ, चितवन, मकवानपुर, ललितपुर, तनहु, नवलपरासी व सुपू, पाल्पा, कपिलवस्तु, रुकुम पश्चिम, अर्घाखाँची, सुर्खेत, रौतहट, <b>मोरङ, तेह्रथुम, खोटाङ, भक्तपुर, काठमाण्डौ, धादिङ, लमजुङ, पर्वत, प्युठान, सल्यान, बैतडी</b> | १       | कास्की                             |
| आलु        | १७     | ओखलढुङ्गा, रामेछाप, रसुवा, नुवाकोट, भक्तपुर, काठमाण्डौ, बागलुङ, दैलेख, बझाङ, अछाम, <b>पाँचथर, दोलखा, गोरखा, मनाङ, म्याग्दी, रोल्पा, रुकुम पूर्व</b>                                                                                                          | २       | काभ्रेपलाञ्चोक, डडेलधुरा           |



क्रमश...



| बाली/वस्तु  | जोन    |                                                                                                                                         | सुपरजोन |                    |
|-------------|--------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------|--------------------|
|             | संख्या | जिल्ला                                                                                                                                  | संख्या  | जिल्ला             |
| दलहनबाली    | ६      | मुगु, डडेलधुरा, डोल्पा, जुम्ला, कालिकोट, बझाङ                                                                                           |         |                    |
| तेलहनबाली   | २      | दाङ, कैलाली                                                                                                                             |         |                    |
| स्याउ/ओखर   | ११     | मनाङ, मुस्ताङ, कालीकोट, डोल्पा, हुम्ला, दार्चुला, रुकुम पूर्व, सोलुखुम्बु, जाजरकोट, मुगु, बाजुरा                                        | १       | जुम्ला             |
| सुन्तलाजात  | १५     | सोलुखुम्बु, उदयपुर, गोरखा, म्याग्दी, नवलपरासी पूर्व, गुल्मी, जाजरकोट, दैलेख, रामेछाप, धनकुटा, संखुवासभा, भोजपुर, पाल्पा, डोटी, दार्चुला | २       | सिन्धुली, स्याङ्जा |
| केरा        | ४      | चितवन, रौतहट, नवलपरासी पश्चिम, बर्दिया                                                                                                  |         |                    |
| आँप         | ४      | सप्तरी, सिरहा, धनुषा, स्याङ्जा                                                                                                          |         |                    |
| किवी        | ३      | इलाम, दोलखा, सोलुखुम्बु                                                                                                                 |         |                    |
| अलैंची      | ७      | ताप्लेजुङ, पाँचथर, संखुवासभा, तेह्रथुम, भोजपुर, लमजुङ, कास्की                                                                           |         |                    |
| अदुवा/बेसार | ९      | सोलुखुम्बु, उदयपुर, सुनसरी, स्याङ्जा, सल्यान, सुर्खेत, डोटी, सिन्धुली र पाल्पा                                                          |         |                    |
| कफी         | १      | अर्घाखाँची                                                                                                                              | १       | गुल्मी             |



क्रमश...



| बाली/वस्तु                 | जोन    |                                                                                                 | सुपरजोन |                           |
|----------------------------|--------|-------------------------------------------------------------------------------------------------|---------|---------------------------|
|                            | संख्या | जिल्ला                                                                                          | संख्या  | जिल्ला                    |
| सुपारी                     | १      | झापा                                                                                            |         |                           |
| रबर                        | १      | झापा                                                                                            |         |                           |
| जैतुन                      | १      | बाजुरा                                                                                          |         |                           |
| माछा                       | ६      | मोरङ, सुनसरी, महोत्तरी, कपिलवस्तु,<br>सिरहा, बर्दिया                                            | ३       | धनुषा, बारा,<br>रुषन्देही |
| गाई/भैंसी                  | ७      | सप्तरी, इलाम, बारा, सिन्धुपाल्चोक, काभ्रे,<br>ललितपुर, स्याङ्जा                                 |         |                           |
| बंगुर                      | २      | सुनसरी, म्याग्दी                                                                                |         |                           |
| बाख्रा/भेडा/च्या<br>ङ्ग्रा | ११     | रामेछाप, अर्घाखाँची, दैलेख, अछाम,<br>ओखलढुंगा, खोटाङ, रसुवा,<br>मुस्ताङ, बागलुङ, गुल्मी, हुम्ला |         |                           |
| मौरी                       | ४      | दाङ, चितवन, जाजरकोट, लमजुङ                                                                      |         |                           |
| जम्मा                      | १७७    | ७१ वटा जोन २०७८/७९ देखि<br>सञ्चालनमा रहेका                                                      | १६      |                           |





# बाली अनुसारको सुपर जोन/जोन विकास कार्यक्रम विवरण



| बाली         | सुपरजोन जम्मा |
|--------------|---------------|
| धान          | ४             |
| मकै          | १             |
| गहुँ         | १             |
| तरकारी       | १             |
| आलु          | २             |
| स्याउ/ओखर    | १             |
| सुन्तलाजात   | २             |
| कफी          | १             |
| माछा         | ३             |
| <b>जम्मा</b> | <b>१६</b>     |

| बाली                    | जोन जम्मा | बाली                 | जोन जम्मा  |
|-------------------------|-----------|----------------------|------------|
| धान                     | १९        | किवी                 | ३          |
| मकै                     | १४        | अलैंची               | ७          |
| गहुँ                    | ३         | अदुवा/बेसार          | ९          |
| बहुबाली                 | १         | कफी                  | १          |
| तरकारी                  | २८        | सुपारी               | १          |
| आलु                     | १७        | रबर                  | १          |
| दलहन                    | ६         | जैतुन                | १          |
| तेलहन                   | २         | माछा                 | ६          |
| स्याउ/ओखर               | ११        | गाई/भैंसी            | ७          |
| सुन्तलाजात              | १५        | बंगुर                | २          |
| केरा                    | ४         | बाखा/भेडा/च्याङ्ग्रा | ११         |
| आँप                     | ४         | मौरी                 | ४          |
| <b>जम्मा जोन संख्या</b> |           |                      | <b>१७७</b> |

## विभिन्न आ.व.हरुमा थपिएका जोन/सुपरजोनहरु

| संभागहरु | लक्ष्य | ०७३/७४ | ०७४/७५ | ०७५/७६ | ०७६/०७७ | ०७७/७८ | ०७८/७९ | ०७९/८० | जम्मा |
|----------|--------|--------|--------|--------|---------|--------|--------|--------|-------|
| सुपरजोन  | २१     | ७      | ४      | ३      | २       | -      | -      | -      | १६    |
| जोन      | ३००    | २५     | १४     | ३१     | ३६      | -      | ७१     | -      | १७७   |



# प्रदेशगत सुपर जोन विकास कार्यक्रम विवरण



| बाली/ प्रदेश | प्रदेश नं. १ | मधेश | बागमती | गण्डकी | लुम्बिनी | कर्णाली | सुदूरपश्चिम | जम्मा |
|--------------|--------------|------|--------|--------|----------|---------|-------------|-------|
| धान          | १            | ०    | ०      | ०      | २        | ०       | १           | ४     |
| मकै          | ०            | ०    | ०      | ०      | १        | ०       | ०           | १     |
| गहुँ         | ०            | ०    | ०      | ०      | ०        | ०       | १           | १     |
| तरकारी       | ०            | ०    | ०      | १      | ०        | ०       | ०           | १     |
| आलु          | ०            | ०    | १      | ०      | ०        | ०       | १           | २     |
| स्याउ/ओखर    | ०            | ०    | ०      | ०      | ०        | १       | ०           | १     |
| सुन्तलाजात   | ०            | ०    | १      | १      | ०        | ०       | ०           | २     |
| कफी          | ०            | ०    | ०      | ०      | १        | ०       | ०           | १     |
| माछा         | ०            | २    | ०      | ०      | १        | ०       | ०           | ३     |
| जम्मा        | १            | २    | २      | २      | ५        | १       | ३           | १६    |



# प्रदेशगत जोन विकास कार्यक्रम विवरण



| बाली/ प्रदेश | प्रदेश नं. १ | मधेश | बागमती | गण्डकी | लुम्बिनी | कर्णाली | सुदूरपश्चिम | जम्मा |
|--------------|--------------|------|--------|--------|----------|---------|-------------|-------|
| धान          | २            | ७    | ३      | ३      | २        | १       | १           | १९    |
| मकै          | ३            | १    | २      | १      | ४        | २       | १           | १४    |
| गहुँ         | ०            | ०    | ०      | ०      | २        | ०       | १           | ३     |
| बहुबाली      | १            | ०    | ०      | ०      | ०        | ०       | ०           | १     |
| तरकारी       | ५            | ३    | ८      | ४      | ४        | ३       | १           | २८    |
| आलु          | २            | ०    | ६      | ४      | २        | १       | २           | १७    |
| दलहन         | ०            | ०    | ०      | ०      | ०        | ४       | २           | ६     |
| तेलहन        | ०            | ०    | ०      | ०      | १        | ०       | १           | २     |
| स्याउ/ओखर    | १            | ०    | ०      | २      | १        | ५       | २           | ११    |
| सुन्तलाजात   | ५            | ०    | १      | ३      | २        | २       | २           | १५    |



क्रमश...



| बाली/ प्रदेश | प्रदेश नं. १ | मधेश | बागमती | गण्डकी | लुम्बिनी | कर्णाली | सुदूरपश्चिम | जम्मा |
|--------------|--------------|------|--------|--------|----------|---------|-------------|-------|
| केरा         | ०            | १    | १      | ०      | २        | ०       | ०           | ४     |
| आँप          | ०            | ३    | ०      | १      | ०        | ०       | ०           | ४     |
| किवी         | २            | ०    | १      | ०      | ०        | ०       | ०           | ३     |
| अलैंची       | ५            | ०    | ०      | २      | ०        | ०       | ०           | ७     |
| अदुवा/बेसार  | ३            | ०    | १      | १      | १        | २       | १           | ९     |
| कफी          | ०            | ०    | ०      | ०      | १        | ०       | ०           | १     |
| सुपारी       | १            | ०    | ०      | ०      | ०        | ०       | ०           | १     |
| रबर          | १            | ०    | ०      | ०      | ०        | ०       | ०           | १     |
| जैतुन        | ०            | ०    | ०      | ०      | ०        | ०       | १           | १     |
| माछा         | २            | २    | ०      | ०      | २        | ०       | ०           | ६     |



क्रमश...



| बाली/ प्रदेश             | प्रदेश नं. १ | मधेश | बागमती | गण्डकी | लुम्बिनी | कर्णाली | सुदूरपश्चिम | जम्मा |
|--------------------------|--------------|------|--------|--------|----------|---------|-------------|-------|
| गाई/भैसी                 | १            | २    | ३      | १      | ०        | ०       | ०           | ७     |
| बंगुर                    | १            | ०    | ०      | १      | ०        | ०       | ०           | २     |
| बाखा/भेडा/च्या<br>ङ्ग्रा | २            | ०    | २      | २      | २        | २       | १           | ११    |
| मौरी                     | ०            | ०    | १      | १      | १        | १       | ०           | ४     |
| जम्मा                    | ३७           | १९   | २९     | २६     | २७       | २३      | १६          | १७७   |



# परियोजनामा कुल लगानी, बजेट र खर्चको स्थिति

(बजेट रु. लाखमा)



| आ.व. २०७३/७४ देखि<br>आ.व. २०७९/८० सम्म | संघीय निकाय | प्रदेश मन्त्रालय<br>अन्तरगत | स्थानीय तह | जम्मा     |
|----------------------------------------|-------------|-----------------------------|------------|-----------|
| कुल जम्मा विनियोजित                    | २४५५३८.७५   | १०५६१३.                     | ९९१२१.     | ४५०२७२.७५ |
| कुल खर्च                               | १६९२०८.६६   | ६५६३९.८४                    | ७२९३६.१८   | ३०७७८४.६८ |
| खर्चको प्रतिशत                         | ६८.९१%      | ६२.१५%                      | ७३.५८%     | ६८.३६%    |

□ आ.व. २०७९/८० सम्मको प्रक्षेपित बजेट रु. ७३ अर्ब २३ करोड ८५ लाख ६९ हजार

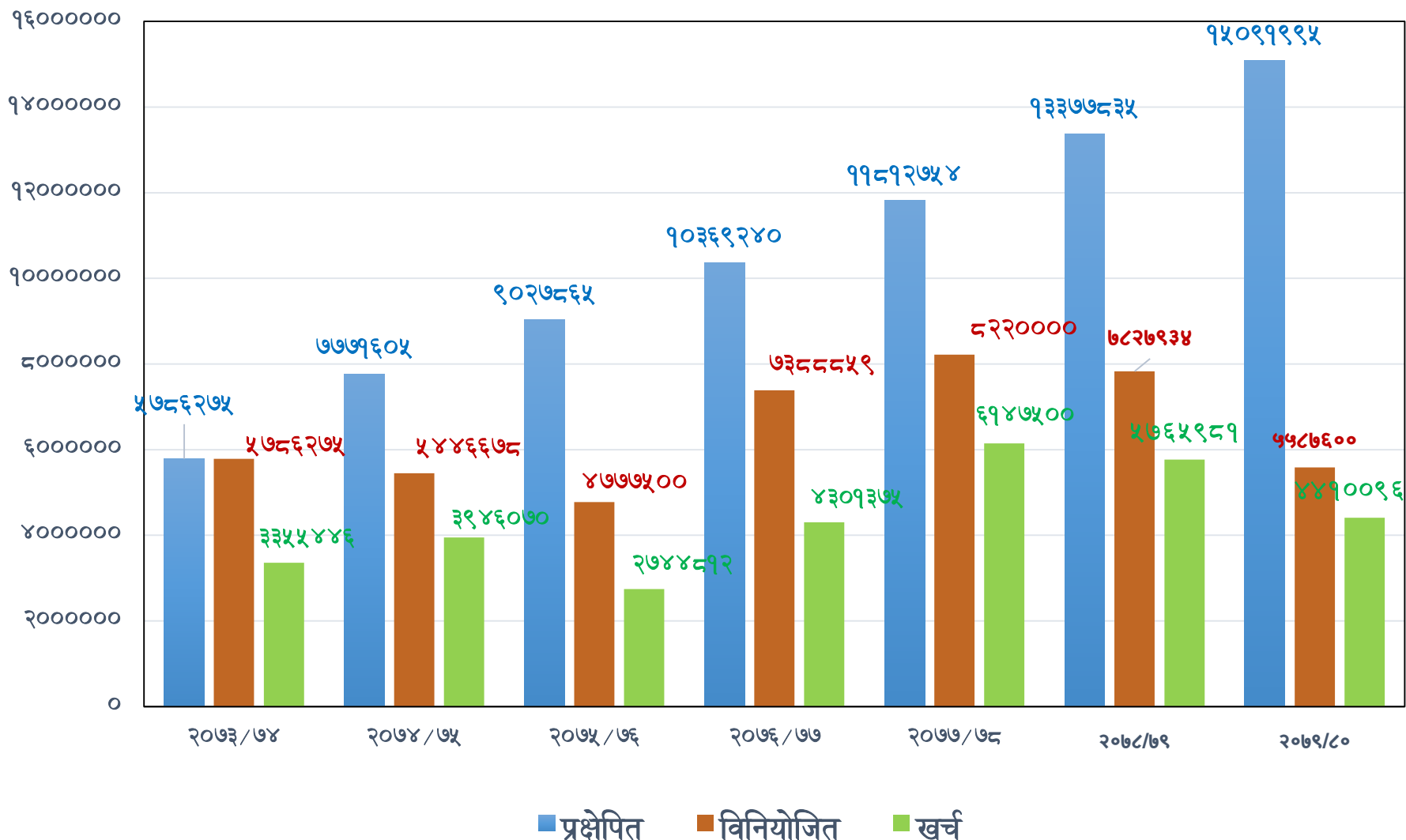
□ आ.व. २०७९/८० सम्मको विनियोजित बजेट रु. ४५ अर्ब ०२ करोड ७२ लाख ७५ हजार

□ आ.व. २०७९/८० सम्मको खर्च रु. ३० अर्ब ७७ करोड ८४ लाख ६८ हजार

□ जम्मा खर्चको प्रतिशत ६८.३६%

# वार्षिक प्रक्षेपित बजेट विनियोजन र खर्चको अवस्था

आ.व. २०७९/८० सम्मको वित्तिय विवरण (रु हजारमा)







# परियोजना कार्यान्वयनको संगठनात्मक व्यवस्था



कृषि तथा पशुपन्छी विकास मन्त्रालय



प्रधानमन्त्री कृषि आधुनिकीकरण परियोजना  
परियोजना व्यवस्थापन एकाइ (१)



परियोजना कार्यान्वयन एकाइ (५८ जिल्ला)



१७७ जोन, १६ सुपरजोन  
(कार्यक्षेत्र: ७७ जिल्ला)

- ७ वटा प्रदेश अन्तर्गतका जिल्ला स्थित कृषि/पशु सेवासँग सम्बन्धित १३८ वटा कार्यालयबाट ब्लक विकास कार्यक्रम संचालनमा
- ७५३ वटा स्थानीय तहबाट पकेट विकास कार्यक्रम संचालनमा



# परियोजनाको आ.व. २०७९/८० को स्वीकृत स्थायी कर्मचारी हरुको अस्थायी दरबन्दी विवरण (प.व्य.ए/ प.का.ए)



| क्र.सं. | पद                                           | प.व्य.ए. खुमलटार | प.का. एकाइहरु तर्फ | जम्मा      |
|---------|----------------------------------------------|------------------|--------------------|------------|
|         | <b>स्थायी कर्मचारीबाट पदपूर्ति हुने</b>      |                  |                    |            |
| १       | रा.प.प्रथम, परियोजना निर्देशक                | १                | ०                  | १          |
| २       | रा.प. द्वितीय, बरिष्ठ कृषि अधिकृत, व कृ<br>ई | ४                | ३८                 | ४२         |
|         | रा.प. द्वितीय, उपसचिव लेखा                   | १                | ०                  | १          |
| ३       | रा.प.तृतीय, कृषि अधिकृत, शाखा<br>अधिकृत      | ५                | ६७                 | ७२         |
| ४       | रा.प.तृतीय, पशु विकास अधिकृत                 | ०                | ५                  | ५          |
| ५       | रा.प.तृतीय, पशु चिकित्सक                     | ०                | ३                  | ३          |
| ६       | रा.प.अन. प्रथम नायब सुब्बा                   | १                | ४०                 | ४१         |
| ७       | रा.प.अन.प्रथम प्रा.स. पशुसेवा प्राविधिक      | १                | ०                  | १          |
| ८       | क्यामेरामेन                                  | १                | ०                  | १          |
| ९       | रा.प.अन. प्रथम लेखापाल                       | १                | ५८                 | ४९         |
| १०      | रा.प.अन. प्रथम प्राविधिक सहायक               | ०                | ३५                 | ३५         |
| ११      | रा.प.अन. द्वितीय खरिदार                      | १                | १८                 | १९         |
| १२      | रा.प.अन. द्वितीय ना.प्रा.स.                  | ०                | १०                 | १०         |
| १३      | कम्प्युटर अपरेटर                             | ०                | १                  | १          |
|         | <b>स्थायी तर्फको जम्मा</b>                   | <b>१६</b>        | <b>२७५</b>         | <b>२९१</b> |



# परियोजनाको आ.व. २०७९/८० को स्वीकृत स्थायी/करार दरबन्दी (प.व्य.ए/ प. का.ए)



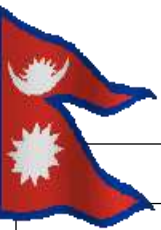
| क्र.सं. | पद                                          | प. व्य. ए. खुमलटार | प.का.एकाइहरु तर्फ | जम्मा |
|---------|---------------------------------------------|--------------------|-------------------|-------|
|         | स्थायी/करार कर्मचारीवाट पदपुर्ति हुने       |                    |                   |       |
| १       | कृषि अधिकृत                                 | ०                  | ४२                | ४२    |
| २       | पशु विकास अधिकृत                            | ०                  | ७                 | ७     |
| ३       | नायब प्राविधिक सहायक                        | ०                  | २३५               | २३५   |
| ४       | नायब पशु सेवा प्राविधिक                     | ०                  | ४०                | ४०    |
| ५       | कम्प्युटर अपरेटर                            | ३                  | ९                 | १२    |
| ६       | ह.स.चा                                      | ७                  | ५६                | ६३    |
| ७       | का.स.                                       | ४                  | १३८               | १४२   |
|         | जम्मा स्थायी/करार कर्मचारीवाट पदपुर्ति हुने | १४                 | ५२७               | ५४१   |
|         | जम्मा स्वीकृत दरबन्दी                       | ३०                 | ८०२               | ८३२   |



# हालको जनशक्ति विवरण परियोजना व्यवस्थापन एकाइ र परियोजना कार्यान्वयन एकाइ



| क्र.स. | प्रदेशको नाम             | दरबन्दी (स्थायी<br>र करार) | पदपूर्ति | रिक्त | रिक्त % |
|--------|--------------------------|----------------------------|----------|-------|---------|
| १      | परियोजना व्यवस्थापन एकाइ | ३०                         | २७       | ३     | १०.००   |
| २      | कोशी प्रदेश              | १५३                        | १३९      | १४    | ९.१५    |
| ३      | मधेश प्रदेश              | ८८                         | ७५       | १३    | १४.७७   |
| ४      | बागमती प्रदेश            | १२९                        | १०९      | २०    | १५.५    |
| ५      | गण्डकी प्रदेश            | ११३                        | १०२      | ११    | ९.७३    |
| ६      | लुम्बिनी प्रदेश          | १३२                        | १२३      | ९     | ६.८१    |
| ७      | कर्णाली प्रदेश           | ९६                         | ८६       | १०    | १०.४१   |
| ८      | सुदूर पश्चिम प्रदेश      | ९१                         | ७५       | १६    | १७.५८   |
|        | जम्मा                    | ८३१                        | ७३५      | ९६    | ११.५५   |



# परियोजनाका मुख्य उपलब्धिहरु



| कार्यक्रम                                                                       | उपलब्धि                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                          |
|---------------------------------------------------------------------------------|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| चक्लाबन्दी खेती                                                                 | परियोजनाबाट Land Consolidation र crop pooling गरि करिव ६७४५ हे मा चक्लाबन्दी खेती सञ्चालन                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                        |
| प्राविधिक शिक्षालयको साझेदारीमा व्यवसायिक उत्पादन कार्यक्रम                     | <b>"सिक र कमाउ"</b> मोडलमा २८२ <b>प्राविधिक शिक्षालयमा</b> अध्ययनरत विद्यार्थीहरुबाट कृषि व्यवसाय सञ्चालनको व्यवहारिक ज्ञानका साथै अध्ययनरत विद्यार्थीहरुलाई आय आर्जनको अवसर सिर्जना भएको । हालसम्म १२३३५ विद्यार्थी लाभान्वित ।                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                 |
| कृषि इन्टर्न परिचालन                                                            | जि.पी. कोइराला कलेज अफ एग्रीकल्चर एण्ड रिसर्च सेन्टर विराटनगर, महेन्द्र रत्न बहुमुखी क्याम्पस इलाम, कृषि तथा वन विज्ञान विश्वविद्यालय चितवन र सुदुर पश्चिम विश्वविद्यालय कृषि विज्ञान संकाय कैलाली र नेपाल पोलिटेक्निक ईन्स्टिट्यूट चितवन बाट <b>१८६२ जना विद्यार्थी</b> विभिन्न प.का.ए., कृषि ज्ञान केन्द्र र फार्म/केन्द्रमा परिचालन गरिएको ।                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                  |
| भण्डारण, प्राथमिक प्रशोधन वा प्रशोधन उद्योग स्थापना (मूल्य श्रृंखला प्रवर्द्धन) | <b>५९२ अलैचीका आधुनिक भट्टी</b> निर्माणका साथै कृषि उपज भण्डारण, प्राथमिक प्रशोधनका लागि पूर्वाधार निर्माण भएको । २७९ वटा प्राथमिक प्रशोधन उद्योग (अलैची, सुपारी, रवर, चामल, चिउरा, च्याखला, अचार, अदुवा वेसार, आलु चिप्स मह, माछा आदि) ५१ वटा चिस्यान घर, २८ वटा ढुवानी साधन ८ वटा केरा राइपेनिंग च्याम्बर ३१ वटा संकलन केन्द्र, १२ वटा गोदाम घर, २० वटा रष्टिक हाउस निर्माण, माछाको ५ वटा चिलिंग भ्यान, २० वटा जिउदो माछा पसल <ul style="list-style-type: none"> <li>बर्दियामा चिउरा उद्योग, पाल्पामा अचार उद्योग, दाङमा मकै, तेल र साइलेज उद्योगको सञ्चालन भएका छन । रुपन्देहीमा फ्रोजन ब्लाष्ट प्रविधिबाट ताजा माछाको प्राथमिक प्रशोधन उद्योग स्थापना ।</li> <li>नेपालमा नै पहिलो पटक <b>सुन्तलाको वाईन, ब्राण्डीको परिक्षण</b> उत्पादन सफल भएको साथै १५०० के.जी. जाम तयार गरी जापान निर्यात गरिएको । (स्याङ्गजा)</li> </ul> |



# परियोजनाका मुख्य उपलब्धिहरू

क्रमश...



| कार्यक्रम                                          | उपलब्धि                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                        |
|----------------------------------------------------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| यान्त्रिकीकरण<br>प्रवर्द्धन/कस्टम<br>हायरिड सेण्टर | <ul style="list-style-type: none"><li>कृषि यान्त्रिकरण प्रवर्द्धनका लागि हालसम्म ६०१ वटा कस्टम हायरिड सेन्टर स्थापना गरिएको जसबाट कृषि यन्त्रको प्रयोगमा व्यापक विस्तार भई उत्पादन लागत घट्ने तथा कार्यबोझ समेत घटेको । गाउँघरमा प्रचलित कृषि यन्त्रको भाडा दर घट्नाले उत्पादन लागत कम भई नाफा वृद्धि हुन गएको । ३६८ वटा पोष्ट हार्भेष्ट सेन्टर स्थापना भई भण्डारणमा सहजता, कोल्ड रुमहरूको स्थापना भई वाली वस्तुको भण्डारण अवधि वृद्धि भई कृषकहरूले मूल्य पाउन सहजता भएको</li><li>१११४९ वटा मेसीन तथा औजार यन्त्र वितरण</li><li>विषेशगरी तराईका खाद्यान्नबालीका जोन/सुपरजोनमा साना तथा ठूला कृषि यन्त्र उपकरणहरूको बढ्दो प्रयोगबाट उत्पादन लागतमा ३५-५० प्रतिशतले कमी । जग्गा सम्याउने Land Lazer Leveller को प्रयोग, मेशिनबाट धान रोपाइ, कम्बाइण्ड हार्भेष्टरको प्रयोग, चैते धान सुकाउन ड्रायरको प्रयोग केही सफल भएका प्रविधि हुन ।</li></ul> |



# परियोजनाका मुख्य उपलब्धिहरु



| कार्यक्रम                              | उपलब्धि                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                |
|----------------------------------------|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| साना सिँचाइ कार्यक्रम                  | १२४३३ वटा साना सिँचाइ (८२ वटा सौर्य सिँचाइ सहित) मार्फत करिब २५६४७ हेक्टर क्षेत्रफलमा सिँचाइ सुविधा पुगेको छ।                                                                                                                                                                                                                                                                                                                          |
| उच्च प्रविधियुक्त पूर्वाधार निर्माण    | वीउ श्रोत केन्द्र ८४, हाइटेक ग्रीन हाउस १०, पिविएस आलु उत्पादन लगायतका लागि स्क्रीन हाउस ३८, सेमी हाइटेक ग्रीन हाउस ११०, टिस्यु कल्चर ल्याव ४, हाइटेक नर्सरी ३१ वटा निर्माण                                                                                                                                                                                                                                                            |
| कृषि बीमा सहजकर्ता श्रोत व्यक्ति तालिम | स्थानीय तहमा कार्यरत करिब २६८४ प्राविधिक र कृषकहरुलाई बीमा सहजकर्ता श्रोत व्यक्ति तालिम प्रदान गरिएको ।                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                |
| व्यावसायिक मत्स्य पालन                 | <ul style="list-style-type: none"><li>यस परियोजनाबाट हालसम्म १८७५ हे. मत्स्य पोखरी निर्माण भई १०७६२ मे.ट. माछा थप उत्पादन भई भारत संगको परनिर्भता क्रमशः हट्दै गएको। माछाको उपभोगमा वृद्धि भएको छ, जीवित माछा, फ्रोजन माछा, बोनलेस लगायत माछाको विविधिकरण समेत बढेको।</li><li>धनुषाको धनुषाधाम न.पा. को पर्वतामा १०० हेक्टर र क्षिरेश्वरनाथ न.पा. सखुवा महेन्द्रनगरमा ५० हे. क्षेत्रफलमा बृहत चक्लाबन्दीको रूपमा विकास भएको।</li></ul> |



# परियोजनाका मुख्य उपलब्धिहरू

क्रमश...



| कार्यक्रम                                     | उपलब्धि                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                           |
|-----------------------------------------------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| स्याउको उच्च घनत्व रोपण प्रविधि HDP           | <ul style="list-style-type: none"> <li>सोलुखुम्बु ७ हे, मनाङ्ग १७.५ हे., मुस्ताङ्ग ६.५ हे., जुम्लामा २१.५, मुगुमा ०.५ हे र दार्चुला २ हे. गरी जम्मा ५५ हे क्षेत्रफलमा स्याउको उच्च घनत्व रोपण प्रविधिबाट खेती गरिएको।</li> <li>सामान्य रोपणमा ३०० विरुवा हुनेमा यो प्रविधिबाट ३०००-३३०० विरुवा रोप्न सकिने।</li> <li>सामान्यमा ७ मेट उत्पादन छ भने यो प्रविधिमा २१ मेट प्रति हे उत्पादन</li> <li>सामान्य ६ वर्षमा फल लाग्छ भने HDP बाट ३ वर्षमा उत्पादन</li> </ul>                                                                                                                                                                                                                |
| धान प्रवर्द्धन तथा चैते धानको क्षेत्र विस्तार | <ul style="list-style-type: none"> <li>चैते धानको व्यापक विस्तार भई धानको उत्पादन वृद्धिमा यो परियोजना कोशे ढुंगा बनेको छ। परियोजना लागु भएको धानका जोन तथा सुपरजोन क्षेत्रहरूमा राष्ट्रिय औषत भन्दा करिब २३% ले उत्पादकत्व बढि रहेको। परियोजनाबाट गत ३ वर्षमा १०७२० हे थप क्षेत्रफलमा चैते धानको क्षेत्र विस्तार गरिएको छ। धानको न्युनतम मूल्य समर्थन मूल्यमा कृषकहरूबाट खरिद गरि परियोजनाबाट सहयोग प्राप्त सहकारीहरूले भण्डारण एवं चामल प्रशोधन गरि कृषकलाई उचित मूल्य तथा उपभोक्ता मूल्यको स्थिरीकरणमा समेत सहयोग पुगेको छ।</li> <li>( उदाहरण बर्दियामा २३ हे.क्षेत्रफलबाट वृद्धि भई हाल १२०० हे.मा चैते धान खेती शुरू भएको। झापामा उत्पादकत्व ५.९६ मेट/हे पुगेको।)</li> </ul> |





# परियोजनाका मुख्य उपलब्धिहरु



| कार्यक्रम                | उपलब्धि                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                   |
|--------------------------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| प्रविधि प्रसार कार्यक्रम | <ul style="list-style-type: none"><li>• जुनारको औँसा कीरा व्यवस्थापनका लागि क्षेत्रगत कीरा नियन्त्रण कार्यक्रम संचालन भई ५६ प्रतिशतबाट ४.५ प्रतिशतमा क्षति न्यूनीकरण र सोको अन्य/छिमेकी जिल्लाहरुमा अनुसरण भएको। (सिन्धुली)।</li><li>• पाल्पामा अकबरे खुर्सानी व्यवसायिक रुपमा खेती शुरू गरिएको। बाँझो जमीनको सदुपयोग, बाँदरले नोक्सानी नगरेको हुनाले वैकल्पिक बालीको रुपमा स्थापित हुन सक्ने। १५० हे. मा क्षेत्र बिस्तार हुने। चाउचाउ उद्योग संग सम्झौता गरी करार खेतीको अभ्यास शुरू भएको।</li><li>• नवलपरासी पूर्वमा सुन्तलाजात फलफूलको ३०० हे. क्षेत्रफल थप भई ६०० हे पुगेको। १० जना किसानले ५ हे भन्दा बढी क्षेत्रफलमा विरुवा रोपेको।</li><li>• मेशिनबाट धान रोप्नको लागि सामुदायिक नर्सरीमा ट्रे मा बेर्ना उत्पादन कार्यमा सफलता चितवन।</li><li>• दाङमा कृषक सहकारीले किसान स्तरबाटै स्वदेशी हाइब्रिड मकैको बीउ (रामपुर हाइब्रिड १०) ४ मेट उत्पादन भएको।</li><li>• चैते धान लगायत खाद्यान्न वालीहरु, फलफूल वाली, तरकारी वाली, मसला वाली, दलहन वाली आदिको क्षेत्रविस्तार (स्याउको गत ३ आ व मा ९२३ हे आदि)</li><li>• १४१२ वटा पशुनस्त्र सुधार, ६६ वटा पशु नस्त्र श्रोत केन्द्र स्थापना, ६४६५ वटा भकारी सुधार, ९८४ वटा बाख्रा च्यांग्रा खोर निर्माण, २३६५ वटा प्लाष्टिक टनेल निर्माण, ५४५ वटा उन्नत प्रविधि प्रदर्शन, १२७८ हे वगैचा सुदृढिकरण</li></ul> |



# परियोजनाका मुख्य उपलब्धिहरु

क्रमश...



| कार्यक्रम                          | उपलब्धि                                                                                                                                                                                                                     |
|------------------------------------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| न्युनतम समर्थन मुल्यको कार्यान्वयन | <ul style="list-style-type: none"><li>• धान र गहुको समर्थन मूल्य तोक्नको लागि प्रारम्भिक तथ्यांक संकलन</li><li>• हालसम्म सहकारीहरुको माध्यमबाट ३१००० मे.ट. धानको समर्थन मूल्यमा खरिद भएको (गत आ.व र चालु आ.व गरि)</li></ul> |

# परियोजना अन्तर्गत जोन/सुपर जोनको राष्ट्रिय उत्पादनमा हिस्सा



| बाली/वस्तु         | परियोजना क्षेत्रफल/उत्पादन |                 | राष्ट्रिय क्षेत्रफल/ उत्पादन |                 | जोन/सुपरजोनको हिस्सा (%) |         | उत्पादकत्व |           |
|--------------------|----------------------------|-----------------|------------------------------|-----------------|--------------------------|---------|------------|-----------|
|                    | क्षेत्रफल (हे./संख्या)     | उत्पादन (मे.टन) | क्षेत्रफल (हे./संख्या)       | उत्पादन (मे.टन) | क्षेत्रफल/ संख्या        | उत्पादन | परियोजना   | राष्ट्रिय |
| धान                | ६२३९९.४                    | २९३९०२          | १४७३४७४                      | ५६२१७१०         | ४.२३                     | ५.२३    | ४.७१       | ३.८१      |
| मकै                | २२४६९                      | ९२१२२           | ९७९७७६                       | २९९९७३३         | २.२                      | ३.३     | ४.१        | ३.०६      |
| गहुँ               | ४९२०                       | १९८७७           | ७११०६७                       | २१२७२७६         | ०.६९                     | ०.९१    | ४.०४       | २.९९      |
| तरकारी             | १९९६०                      | ३५३२९२          | २८४१२१                       | ३९९३१६७         | ६.२७                     | ७.९०    | १७.७       | १४.०५     |
| आलु                | १७४६५                      | ३९०१६८          | १९८७८८                       | ३३२५२३१         | ६.०७                     | ८.१०    | २२.३४      | १६.७२     |
| स्याउ              | ७८४५                       | ९४१४०           | १३४६३                        | ४८६११           | ५८.०१                    | ४३.३८   | १२         | ३.६१      |
| सुन्तालाजात        | १२८९८                      | १२८९८०          | ४२६८४                        | २८१७२०          | २१.१३                    | २३.७०   | १०         | ६.६       |
| केरा               | ३१७८                       | १०८४३३          | १९३१३                        | ३०८४२८          | १६.४५                    | ३१.७    | ३४.१२      | ११.७      |
| आँप                | २५४५                       | २२३९६           | ४३६८८                        | ४६२६६           | ५.८३                     | ३९.०६   | ८.८        | १०.६७     |
| अलैची              | ६८५५                       | ४०३०            | १५६६८                        | ८२८९            | ४३.७५                    | ४८.५८   | ०.५८८      | ०.५२      |
| दलहन               | १५९०                       | १९०८            | ३३५१४३                       | ३९४३५५          | ०.४७                     | ०.४८    | १.२        | १.१८      |
| तेलहन              | २२००                       | ३५२०            | २५८१४१                       | २७८३२५          | ०.८५                     | १.२६    | १.६        | १.०८      |
| दूध*               | १७३००                      | १४२४००          | २८३९६८३                      | २४७९८९९         | ०.६१                     | ५.७४    |            |           |
| माछा**             | ६६८७                       | ३८३८३           | १३८५४                        | ७३६९३           | ४०.८५                    | ४४.११   | ५.७४       | ५.३१      |
| मासु***            | १७७५८०                     | ४६९३            | १५१३७६२५                     | १०५१६९          | १.१७                     | ४.४६    |            |           |
| मौरी (उत्पादन/घार) | ३६६७५.६                    | १०१०            | २४९६८०                       | ४०६२            | १४.६९                    | ३४.७१   | ०.०३       | ०.०२      |



आ.व. २०७९/८० को चौथो  
त्रैमासिक तथा वार्षिक अवधिको प्रगति



# आ.व. २०७९/८० मा बजेट विनियोजन



| तह/निकाय                                           | गत आ व २०७८/७९ मा बजेट विनियोजन                           | चालू आ व २०७९/८० मा बजेट विनियोजन                                                                                                                                   |
|----------------------------------------------------|-----------------------------------------------------------|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| जोन सुपरजोन तर्फ (संघीय निकाय) -                   | ३ अर्ब ३ करोड १९ लाख                                      | ३ अर्ब २८ करोड ७७ लाख<br>शंशोधित बजेट = <u>२ अर्ब ९७ करोड ६७ लाख ७७ हजार</u>                                                                                        |
| <u>व्लक विकास कार्यक्रम तर्फ (प्रदेश सरकार) -</u>  | २ अर्ब २ करोड ९० लाख                                      | ६१ करोड ३८ लाख                                                                                                                                                      |
| <u>पकेट विकास कार्यक्रम तर्फ (स्थानीय सरकार) -</u> | २ अर्ब ७६ करोड ९१ लाख                                     | १ अर्ब ९९ करोड ७० लाख ५२ हजार                                                                                                                                       |
| जम्मा                                              | ७ अर्ब ८३ करोड<br>(संशोधित ७ अर्ब ८२ करोड ७९ लाख ३४ हजार) | ५ अर्ब ८९ करोड ८५ लाख ५२ हजार<br>(संशोधित ५ अर्ब ५८ करोड ७६ लाख २७ हजार)<br>• बजेट रोक्का र अभ्यर्पण = ३१ करोड ०९ लाख २३ हजार<br>• थप भई आएको ४ करोड ८४ लाख ४५ हजार |

आ व २०७८/७९ को तुलनामा आ.व. २०७९/८० मा २९ प्रतिशत कम बजेट विनियोजन भएको



# परियोजनाको चौथो त्रैमासिक तथा वार्षिक अवधिको वित्तीय र भारित प्रगति सारंश

वित्तीय ,  
२२६.६७



भारित,  
८७.१२



चौथो त्रैमासिक

वित्तीय ,  
८६.११



भारित,  
९२.६२



वार्षिक

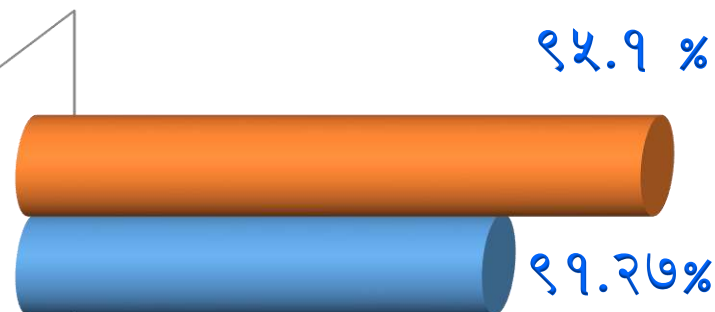


# आव २०७९/८० को वार्षिक प्रगति विवरण (एकमुष्ठ)

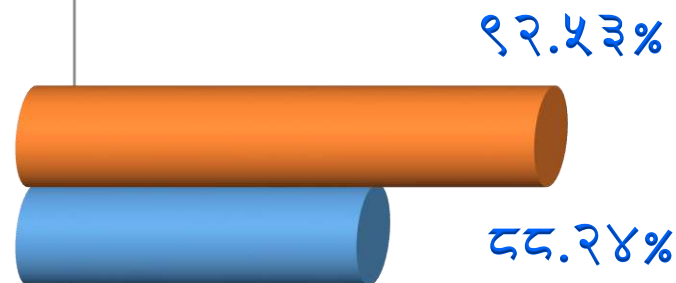


■ भारित ■ वित्तीय

परियोजना व्यवस्थापन एकाइ (केन्द्र)



परियोजना कार्यान्वयन  
एकाइ(जोन/सुपरजोन)



परियोजनाको वार्षिक अवधिको एकमुष्ठ प्रगति:

- वित्तीय - ८६.११%
- भारित - ९२.६२%

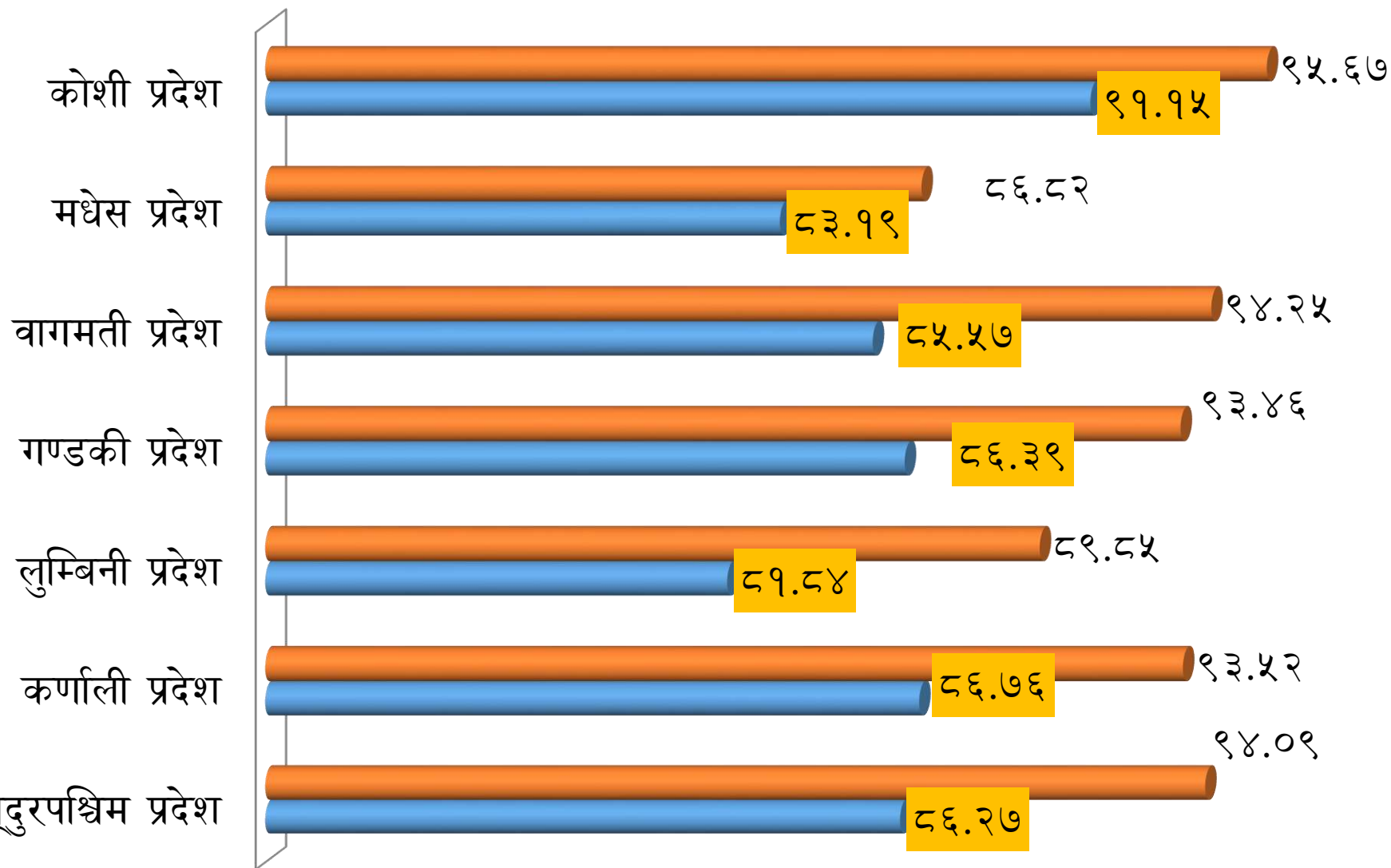
गत आ.व. २०७८/७९ को वार्षिक अवधिमा  
वित्तीय प्रगति ७९.७७% र भारित प्रगति ८७.९७%



# परियोजना कार्यान्वयन एकाइहरूको आ व २०७९/८० वार्षिक अवधिको प्रगति विवरण (प्रदेशगत)



■ भारित ■ वित्तीय







# वार्षिक वित्तीय प्रगतिको स्तर



| वित्तीय प्रतिशत | परियोजना कार्यान्वयन एकाइ                                                                                                                                                                                                         | जम्मा |
|-----------------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-------|
| ९०% भन्दा बढी   | ताप्लेजुङ्ग, इलाम, तेर्हथुम, खोटाङ, उदयपुर, झापा, सुनसरी, धनुषा, सिरहा, सर्लाही, रौतहट, सिन्धुपाल्चोक, स्याङ्जा, नवलपरासी पूर्व, प्युठान, मुगु, डडेल्धुरा, अछाम, दार्चुला                                                         | १९    |
| ८०-९०%          | संखुवासभा, मोरङ, दोलखा, रामेछाप, नुवाकोट, धादिङ्ग, चितवन, भक्तपुर, लम्जुङ्ग, कास्की, बाग्लुङ्ग, रुपन्देही, कपिलवस्तु, रुकुम (पर्व), दाङ, बाँके, सल्यान, डोल्पा, जुम्ला, हुम्ला, जाजरकोट, दैलेख, सुर्खेत, बाजुरा, बझाङ्ग, कञ्चनपुर | २६    |
| ६०-८०%          | ओखलढुङ्गा, बारा, पर्सा, सिन्धुली, मकवानपुर, गोरखा, मुस्ताङ्ग, अर्घाखाँची, गुल्मी, बर्दिया                                                                                                                                         | १०    |
| ६०% भन्दा कम    | पाल्पा, कैलाली, महोत्तरी                                                                                                                                                                                                          | ३     |



# प.का.ए. प्रगति विवरण (प्रदेशगत) बजेट र वार्षिक खर्च



बजेट: रु. हजारमा

| प्रदेशको नाम        | वार्षिक विनियोजन | वार्षिक खर्च | वार्षिक खर्च प्रतिशत |
|---------------------|------------------|--------------|----------------------|
| कोशी प्रदेश         | ४९१६०७           | ४४८०८७.१६४   | ९१.१५                |
| मधेश प्रदेश         | ४०८७२५           | ३४०००८.९३४   | ८३.१९                |
| बागमती प्रदेश       | ४६४५५८           | ३९७५११.७०४   | ८५.५७                |
| गण्डकी प्रदेश       | ४००४६९           | ३४५९५९.९५४   | ८६.३९                |
| लुम्बिनी प्रदेश     | ४५१४५३           | ३६९४४६.८०५   | ८१.८४                |
| कर्णाली प्रदेश      | ३४५६४३           | २९९८६९.०६१   | ८६.७६                |
| सूदुर पश्चिम प्रदेश | ३१५५८९           | २७२२६७.८३८   | ८६.२७                |
| प.का.ए              | २८७८०४४          | २४७३१५१.५    | ८५.९३                |
| प.व्य.ए             | ९८७३१            | ९०११४.७७     | ९१.२७                |
| जम्मा               | २९७६७७५          | २५६३२६६      | ८६.११                |



# अनुदान र उपभोग/व्यवस्थापन खर्चको अनुपात

| क्र.स. | प्रदेश       | बिनियोजित बजेट |            |          | खर्च     |            |          | अनुपात |            |
|--------|--------------|----------------|------------|----------|----------|------------|----------|--------|------------|
|        |              | अनुदान         | व्यवस्थापन | जम्मा    | अनुदान   | व्यवस्थापन | जम्मा    | अनुदान | व्यवस्थापन |
| १      | कोशी         | ३३५५०४.९       | २०६२११.४   | ५४१७१६.२ | ३०६०३१.८ | १३९६५१.८   | ४४५६८३.५ | ६१.९३  | ३८.०७      |
| २      | मधेश         | ३०३१२५         | ८३८०१      | ३८६९२६   | २३९४२०   | ७२५९६      | ३१२०१६   | ७८.३४  | २१.६६      |
| ३      | बागमती       | २७९५८०.७       | ८०५४३.८    | ३६०१२४.५ | २४४४७८.९ | ७९०५७.४    | ३२३५३६.३ | ७७.६३  | २२.३७      |
| ४      | गण्डकी       | ३००६८६         | ९०४९०      | ३९११७६   | २६०२९९   | ७७८१८      | ३३८११७   | ७६.८७  | २३.१३      |
| ५      | लुम्बिनी     | ३२३०८४.७       | ९७७२९.८    | ४२०८१४.५ | २५८३७१.५ | ८५७२७.०९   | ३४४०९८.६ | ७६.७८  | २३.२२      |
| ६      | कर्णाली      | २४८१०१         | ९८३७७      | ३४६४७८   | २२२८१८   | ७६२८५      | २९९१०३   | ७१.६१  | २८.३९      |
| ७      | सुदुर पश्चिम | १६१६१६.७       | ८०८५०.३१   | २४२४६७   | १५०८३५.१ | ४६४७३.९९   | १९७३०९.१ | ६६.६६  | ३३.३४      |
| जम्मा  |              | १९५१६९९        | ७३८००३.३   | २६८९७०२  | १६८२२५४  | ५७७६०९.२   | २२५९८६३  | ७२.५६  | २७.४४      |



## परियोजनाको वार्षिक विनियोजितको तुलनामा खर्चको प्रगति- एकमुष्ट

बजेट: रु. हजारमा

| क्र.सं | परियोजना कार्यान्वयन निकायहरु | बार्षिक कुल विनियोजन | वार्षिक खर्च | वार्षिक प्रगति प्रतिशत |
|--------|-------------------------------|----------------------|--------------|------------------------|
| १      | परियोजना व्यवस्थापन एकाइ      | ९८७३१                | ९०११४.७७     | ९१.२७                  |
| २      | परियोजना कार्यान्वयन एकाइ     | २८७८०४४              | २४७३१५१.५    | ८५.९३                  |
| ३      | प्रदेश सरकार                  | ६१३८००               | ४०८१५१       | ६६.५०                  |
| ४      | स्थानीय सरकार                 | १९९७०५२              | १४४९५१८      | ७२.५८                  |
|        | जम्मा                         | ५५८७६२७              | ४४२०९३५.३    | ७९.१२                  |

नोट: गत आ.व. २०७८/७९को वार्षिक अवधिमा एकमुष्ट प्रगति ७४.७५%  
आ.व. २०७९/८० को वार्षिक अवधिको एकमुष्ट प्रगति ७९.१२%



# आ.व.२०७८/७९ मा ब्लकको प्रगति विवरण (प्रदेश स्तरका कार्यालयबाट कार्यान्वयन हुने सम्भाग)



बजेट रु हजारमा

| प्रदेश      | ब्लक सम्भाग लक्ष्य | ब्लक सम्भाग प्रगति | वार्षिक विनियोजित बजेट | वार्षिक खर्च | खर्चको प्रतिशत | कैफियत |
|-------------|--------------------|--------------------|------------------------|--------------|----------------|--------|
|             | निरन्तरता          |                    |                        |              |                |        |
| प्रदेश १    | ७०                 | ५६                 | १२२९००                 | ९०८७१        | ७३.९४          |        |
| मधेश        | ६३                 | ४७                 | ९८९००                  | ३३१२३        | ३३.४९          |        |
| बागमती      | ५१                 | ४२                 | ८८४००                  | ५७०६२        | ६४.५५          |        |
| गण्डकी      | ४१                 | ३९                 | ७१३००                  | ५२१८५        | ७३.१९          |        |
| लुम्बिनी    | ४१                 | ४०                 | ७३६००                  | ४६८२६        | ६३.६२          |        |
| कर्णाली     | ४८                 | ५८                 | ७८८००                  | ५५१६६        | ७०.०१          |        |
| सुदूरपश्चिम | ४६                 | ४६                 | ७९९००                  | ७२९१८        | ९१.२६          |        |
| जम्मा       | ३६०                | ३२८                | ६१३८००                 | ४०८१५१       | ६६.५०          |        |



# आ.व.२०७९/८० मा पकेटको प्रगति विवरण (स्थानीय तहबाट कार्यान्वयन हुने सम्भाग)



बजेट रु हजारमा

| प्रदेश          | पकेट सम्भाग लक्ष्य |               |       | पकेट सम्भाग प्रगति |               |       | वार्षिक<br>विनियोजित<br>बजेट | वार्षिक खर्च | खर्चको<br>प्रतिशत | कैफियत |
|-----------------|--------------------|---------------|-------|--------------------|---------------|-------|------------------------------|--------------|-------------------|--------|
|                 | नयाँ               | निरन्तर<br>ता | जम्मा | नयाँ               | निरन्त<br>रता | जम्मा |                              |              |                   |        |
| कोशी            | १७४                | १७३           | ३४७   | १५८                | १५३           | ३११   | ३२७८२८                       | २६१५२१       | ७९.७७             |        |
| मधेश            | १८५                | १७८           | ३६३   | १८५                | १७८           | ३६३   | ३६७३०८                       | २०५१७९       | ५५.८६             |        |
| बागमती          | १६१                | १५८           | ३१९   | ११४                | १३१           | २४५   | ३२२६०८                       | २२६६७५       | ७०.२६             |        |
| गण्डकी          | १२०                | ११५           | २३५   | ७६                 | ६२            | १३८   | २५३८०८                       | १७४६८६       | ६८.८३             |        |
| लुम्बिनी        | १५८                | १३९           | २९७   | १४५                | १२५           | २७०   | २७०६८४                       | १९३८७१       | ७१.६२             |        |
| कर्णाली         | १२३                | १०२           | २२५   | ६०                 | ७४            | १३४   | २२५५०८                       | १८७३४४       | ८३.०८             |        |
| सुदूरपश्चि<br>म | १३२                | ९९            | २३१   | १३५                | ९६            | २३१   | २२९३०८                       | २००२४२       | ८७.३२             |        |
| जम्मा           | १०५३               | ९६३           | २०१७  | ८७३                | ८१९           | १६९२  | १९९७०५२                      | १४४९५१८      | ७२.५८             |        |



# लाभान्वित जनसंख्या



| प्रदेश       | समूह/<br>सहकारी/<br>निजी<br>उद्यमी/<br>कम्पनी | महिला  | पुरुष  | जम्मा  | दलित  | जनजाती | अन्य   | युवा  | कुल जम्मा |
|--------------|-----------------------------------------------|--------|--------|--------|-------|--------|--------|-------|-----------|
| कोशी         | १९८५                                          | २५९३६  | २४७९२  | ५०७२८  | ७०७३  | २१३८५  | २२२७०  | १६५११ | ५०७२८     |
| मधेश         | १००५                                          | ४३९१   | ८१२९   | १२५२०  | १०५३  | ३००५   | ८४६२   | ६११८  | १२५२०     |
| बागमती       | २४५१                                          | ११४९१  | १७१४७  | २८६३८  | ४६७३  | १११८७  | १२७७८  | ५२८९  | २८६३८     |
| गण्डकी       | २६७८                                          | ११४१८  | १३९३५  | २५३५३  | २२८९  | १०६१४  | १२४५०  | ११७०८ | २५३५३     |
| लुम्बिनी     | २२५९                                          | ३९०२५  | ३३७३०  | ७२७५५  | ७९६८  | २६७७८  | ३८००९  | २६८२५ | ७२७५५     |
| कर्णाली      | ३६३७                                          | १२८२०  | ११६०२  | २४४२२  | २२४६  | ३८९७   | १८२७९  | ४५१४  | २४४२२     |
| सुदुर पश्चिम | ११४२                                          | २१९५६  | १४५१२  | ३६४६८  | ७०६८  | १५१४६  | १४२५४  | १००२० | ३६४६८     |
| कुल जम्मा    | १३१७२                                         | १२७०३७ | १२३८४७ | २५०८८४ | ३२३७० | ९२०१२  | १२६५०२ | ८०९८५ | २५०८८४    |



# रोजगारी सृजनाको अवस्था



| प्रदेश       | जोन/सुपरजोनको संख्या | ज्यालादारी<br>(मौसमी) | आंशिक रोजगारी | स्थायी<br>रोजगारी | जम्मा  | कैफियत |
|--------------|----------------------|-----------------------|---------------|-------------------|--------|--------|
| कोशी         | ३६ जोन, १ सुपरजोन    | २०३७५                 | १२८५५         | ३४८५              | ३६७१५  |        |
| मधेश         | १९ जोन, २ सुपरजोन    | १५१२६                 | ३९४३          | २००९              | २१०७८  |        |
| बागमती       | २९ जोन, २ सुपरजोन    | ५२७२०                 | २१५५          | ११९०              | ५६०६५  |        |
| गण्डकी       | २५ जोन, २ सुपरजोन    | १९३४२                 | ५७०९          | ३०१६              | २८०६७  |        |
| लुम्बिनी     | २७ जोन, ५ सुपरजोन    | ३९७१०                 | ४७५१०         | ४८९२              | ९२११२  |        |
| कर्णाली      | २३ जोन, १ सुपरजोन    | ८४७८                  | ५६३९          | ७६१               | १४८७८  |        |
| सुदुर पश्चिम | १६ जोन, ३ सुपरजोन    | ५७१०                  | ४६७७          | १०९७              | ११४८४  |        |
| जम्मा        | १७७ जोन र १६ सुपरजोन | १६१४६१                | ८२४८८         | १६४५०             | २६०३९९ |        |

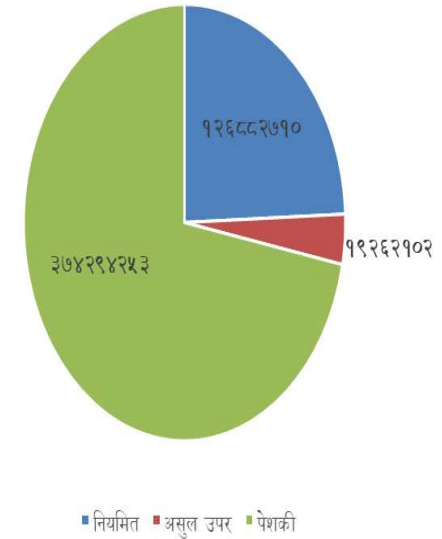




# बेरुजु विवरण



|   |                                                                                               |                |
|---|-----------------------------------------------------------------------------------------------|----------------|
| १ | म ले प को ५९ औं वार्षिक प्रतिवेदन अनुसार आ.व. २०७९/८० सम्ममा फर्छ्यौट गर्नुपर्ने जम्मा बेरुजु | ५२,०४,३९,०६५.८ |
| २ | अदालत तथा अ दु अ आ                                                                            | २३,७९,८९,७७१   |
| ३ | २०८० अषाढ मसान्तसम्ममा फर्छ्यौटार्न सकिने बेरुजु                                              | २८,२४,४९,२९५   |
|   | क) महालेखा परिक्षकको कार्यालयमा संपरिक्षणको लागि दर्ता भैसकेको बेरुजु                         | ६,२०,१६,८५१    |
|   | ख) संपरिक्षणको लागि तयार                                                                      | २,०१,३८०       |
|   | ग) कृषि तथा पशुपन्छी विकास मन्त्रालयमा पेश भएको                                               | ७३,२०,४१४      |
|   | जम्मा                                                                                         | ६,९५,३८,६४५    |
| ४ | बाँकी बेरुजु                                                                                  | २१,२९,१०,६५०   |





# समष्टिगतरूपमा प्रगति नपुगका कारणहरु र चुनौतिहरु

| क्रियाकलाप                                      | प्रगति नपुगका कारण                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                 |
|-------------------------------------------------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| भारित प्रगति<br>९२.६२% वित्तीय<br>प्रगति ८६.११% | <ul style="list-style-type: none"><li>❑ २०७९ माघ १७ गते देखि ०७९ चैत्र ९ गते सम्म बजेट रोक्का हुँदा कार्यक्रम कार्यान्वयनमा अन्यौलता भएको।</li><li>❑ स्वीकृत दरबन्दी अनुसारका स्थायी र करार जनशक्तिको पदपूर्ति हुन नसक्दा छुट्ट्याइएको उपभोग खर्च/तलब मध्ये करिब ६.५% खर्च नभएको।</li><li>❑ संघ, प्रदेश र स्थानीय तहको अनुदानको दर फरक हुँदा केही कार्यक्रमहरु सम्झौता भएर पनि कार्यान्वयन हुन नसकेको। समूह/सहकारीहरुले ५०% साझेदारी रकम बेहोर्न नसक्ने जानकारी दिई सम्झौता भङ्ग गरेको।</li><li>❑ सवारी साधन प्रयाप्त छैनन र भएका सवारी साधन पनि जिर्ण अवस्थामा रहेकोले लक्ष्य अनुसारको कार्यान्वयनमा बाधा पुगेको।</li><li>❑ बजारमा सामग्रीहरुको मूल्य इस्टिमेट र सम्झौता गर्दाको समय भन्दा पछि कार्यान्वयनको समयमा धेरै वृद्धि हुँदा अनुदानग्राहीले कार्यान्वयन गर्न नसकेको।</li><li>❑ केही परियोजना कार्यान्वयन एकाइमा न्यून जनशक्तिको कारणले फिल्ड भेरिफिकेसन, छनौट, सम्झौता र फिल्ड अनुगमन आदि हुन नसकी कम प्रगति भएको।</li><li>❑ दुर्गम जिल्लामा कार्य क्षेत्र बढी हुँदा कार्यान्वयनमा समस्या (एउटा प.का.ए.ले दुई जिल्लालाई व्यवस्थापन गर्नु परेको)</li></ul> |

# ६० % भन्दा कम प्रगति हुने परियोजना कार्यान्वयन एकाइका प्रगति नपुगका कारणहरु



| परियोजना कार्यान्वयन एकाइ       | क्रियाकलाप र कारण                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                  |
|---------------------------------|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| महोत्तरी,<br>कैलाली,<br>पाल्पा, | <b>महोत्तरी</b> <ul style="list-style-type: none"> <li>➤ जोन/सुपरजोनक्षेत्रमा कृषियान्त्रीकरण सहयोग र सहकारी संजालमार्फत कृषि उपजको बजारीकरण सहयोगमा कार्य सम्पन्न भएर पनि भुक्तानी हुन नसकेको।</li> <li>➤ बीउ स्रोत केन्द्र स्थापनामा उपयुक्त प्रस्तावना प्राप्त नभएको।</li> <li>➤ सिँचाइ पूर्वाधार निर्माणमा ४० लक्ष्यमा १८ मात्र प्रगति भएको। केही सेवाग्राहीले सम्झौता गर्न नआएको र केही सम्झौता गरेर पनि काम नगरेको।</li> </ul>                                                               |
|                                 | <b>कैलाली</b> <ul style="list-style-type: none"> <li>❑ चैते धान सुकाउने मेशिन तथा भण्डारण घर निर्माण सहयोग, प्याकेजिङ्ग, लेबलिङ्ग तथा पोष्ट हार्भेष्ट क्षति न्युनिकरण</li> <li>❑ तोरी पेल्ले मिलमा ५० प्रतिशत अनुदान</li> <li>❑ छानो सहित थ्रेसिङ्ग फ्लोर निर्माण</li> <li>❑ चक्लाबन्दीमा पकेट जोन/ब्लक संचालनका लागि सहकारी तथा निजी क्षेत्र बाट माग संकलन, सम्भाव्यता अध्ययन र कार्यान्वयन सहयोग</li> </ul> <p><b>कारण:</b> कृषकबाट माग नआएको र केही प्रस्तावना प्राप्त भए पनि उपयुक्त नभएको</p> |
|                                 | <b>पाल्पा</b> <ul style="list-style-type: none"> <li>• सहभागितात्मक कृषि प्रविधि सिकाइ तथा प्रदर्शनी केन्द्र</li> <li>• बगैँचा सुदृढीकरण तथा बाली संरक्षण सेवा</li> <li>• सुन्तला जोन क्षेत्रमा कृषि यान्त्रीकरण सहयोगअदुवा/बेसार जोन क्षेत्रमा कृषि यान्त्रीकरण सहयोग</li> <li>• अनुदानमा मल्लिङ प्लाष्टिक वितरण</li> <li>• स्थायी / अस्थायी प्लाष्टिक घर निर्माण</li> </ul> <p><b>कारण:</b> सम्झौता गरेर कार्य सम्पन्न नगरेको</p>                                                                |



# आ.व. २०७९/८० का मुख्य मुख्य कार्यक्रमहरुको प्रगति

| कार्यक्रम                                      | उपलब्धि                                                  | विनियोजन (लाख) | खर्च (लाख) | प्रगति प्रतिशत |
|------------------------------------------------|----------------------------------------------------------|----------------|------------|----------------|
| चक्लावन्दी खेती                                | २१०० हेक्टर                                              | १९२५           | १५३३       | ७९.६ %         |
| कष्टम हायरिङ्ग                                 | १४ वटा सेन्टर स्थापना (१७)                               | १८८            | १५६        | ८२.९ %         |
| कृषि यान्त्रिकिकरण                             |                                                          | २३६३           | २१०५       | ८९.१ %         |
| साना सिंचाइ मर्मत सम्भार तथा निर्माण           | ६७३९ हेक्टर                                              | ३७८०           | ३२७५       | ८६.६ %         |
| क्षेत्रफल विस्तार                              |                                                          |                |            |                |
| खाद्यान्न - धान, मकै, गहुँ                     | ४५१६ हे - २६३९ हे, १०३३ हे, ८४४ हे (४१५० हे)             | ५०५.७          | ४०४        | ८० %           |
| फलफुल - सुन्तलाजात, केरा, आँप, किविर स्याउ/ओखर | ११४९ हे - ४१० हे, ७० हे, २५० हे, २१ हे, ३९८ हे (११५३ हे) | ९८३            | ७६५        | ७७.८ %         |
| तरकारी                                         | ६६८ हे (७१० हे)                                          | २१५            | १८४.५      | ८५.८ %         |
| आलु                                            | २८३.५ हे (३८४ हे)                                        | २७८            | २४९        | ८९.३ %         |
| माछा पोखरी                                     | १२०.५ हे (१९३ हे)                                        | ७२७            | ३९९.६      | ५५ %           |

\*चैते धान १६६४ हे, HDP स्याउ ८ हे, कफि २६.५ हे

कोष्टमा लक्ष्य राखिएको छ



## आ. व. २०७९/८० का मुख्य मुख्य कार्यक्रमहरुको प्रगति

| कार्यक्रम                                                                                        | उपलब्धि                                                                                                                                                                                                                                       | विनियोजन<br>(लाख) | खर्च (लाख) | प्रगति<br>प्रतिशत |
|--------------------------------------------------------------------------------------------------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-------------------|------------|-------------------|
| कृषि उपजको बजारीकरण<br>सहयोग, भण्डारण पुर्वाधार,<br>प्रथमिक प्रशोधन वा प्रशोधन<br>उद्योग स्थापना | चिस्यान घर २४, भण्डारण<br>घर १९, धान मिल ५, चिउरा<br>मिल २, तोरी मिल १, केरा<br>राईपेनिङ्ग च्याम्बर ३, संकलन<br>केन्द्र ८, ढुवानी साधन १०,<br>मकै च्याखला उद्योग ३,<br>रष्ट्रिक स्टोर ८ र अन्य<br>उद्योग सहित प्याकेजिङ्ग<br>लेबलिङ्गमा सहयोग | १२८३              | १११९       | ८७ %              |
| सुधारिएको अलैची भट्टी संख्या                                                                     | १०१ (१०४)                                                                                                                                                                                                                                     | १२६.८             | ११७.४      | ९२.५ %            |
| प्राविधिक शिक्षालय सहयोग                                                                         | ५५ शिक्षालय र ३१६७<br>विध्यार्थिलाई सहयोग (४८)                                                                                                                                                                                                | ३१९               | २५०.९      | ७८.६४ %           |
| कृषि ईन्टर्न                                                                                     | ४९५ B.Sc. Ag विध्यार्थि                                                                                                                                                                                                                       | ५००               | ४९४.५      | ९८.९ %            |
| स्थानिय तहको लागत<br>सहभागितामा विउ श्रोतकेन्द्र<br>स्थापना                                      | १३ (१२ वटा खाद्यान्न विउ<br>श्रोतकेन्द्र र १ वटा रष्ट्रिक<br>स्टोर)                                                                                                                                                                           | २५५.५             | २४४.८४     | ९५.८ %            |



## आ. व. २०७९/८० का मुख्य मुख्य कार्यक्रमहरुको प्रगति

| कार्यक्रम              | उपलब्धि                                                                    | विनियोजन<br>(लाख) | खर्च (लाख) | प्रगति<br>प्रतिशत |
|------------------------|----------------------------------------------------------------------------|-------------------|------------|-------------------|
| नर्सरी श्रोत केन्द्र   | ६० वटा (६५)                                                                | २६६.४             | १८२.४      | ६८.५ %            |
| बीउ उत्पादन कार्यक्रम  | १३० हे (२०० हे.)                                                           | २००               | १२६        | ६३.२ %            |
| पशु नस्ल श्रोत केन्द्र | बाखा १३, बंगुर २ र भैसी<br>६ गरी जम्मा २१ श्रोत<br>केन्द्र<br>स्थापना (१९) | १९५.५             | १७३.६      | ८८.८ %            |
| पशु नस्ल सुधार         | बाखा ४६४, भैसी १३८,<br>बंगुर ८४ र च्याङ्ग्रा २५<br>गरी जम्मा ७११           | २४६               | १८२        | ७४ %              |
| बाखा खोर निर्माण       | ४४२ (४३९)                                                                  | ४६२               | ४४०        | ९५.२ %            |
| भकारो सुधार            | ७५३ (८२४)                                                                  | २४७               | २२३        | ९० %              |

परियोजनाको हालसम्मको प्रतिफल र उपलब्धिहरुको  
केही झलकहरु



माननीय मन्त्री डा. बेदुराम भुसालज्यू तथा सचिवज्यूहरु सम्मिलित टोलिबाट स्याङ्जा भिरकोटमा  
सुन्तला रोपण अभियानको शुरुवात २०८०/०३/०४





संघीय प्रतिनिधि सभा सदस्य माननीय हरि ढकालज्यूको अनुगमन तथा अन्तरक्रिया कार्यक्रम  
चितवन-२०७९/०३/२८ - धान जोन र केरा जोन



अर्थ मन्त्रालयका सह-सचिव श्री धनीराम शर्मा र कृषि सह-सचिव डा.राजेन्द्र प्रसाद मिश्रज्यू सम्मिलित टोलीको अनुगमन भ्रमण २०७९/११/०९ र १० गते –  
चितवन र नवलपरासी पूर्व





# अन्तरनिकाय संयुक्त अध्ययन तथा अनुगमन कार्यक्रम- लमजुङ, स्याङ्जा, तनहुँ, गोरखा र धादिङ २०८०/०३/०१ देखि ०३/०७ गतेसम्म



## सहभागिता

- प्रधानमन्त्री तथा मन्त्री परिषदको कार्यालय
- राष्ट्रिय योजना आयोग
- कृषि तथा पशुपन्छी विकास मन्त्रालय
- नेपाल कृषि अनुसन्धान परिषद
- कृषि विभाग
- प्रदेश मन्त्रालय तथा निर्देशनालय
- परियोजना व्यवस्थापन एकाइ

## परियोजना व्यवस्थापन एकाइको अनुगमन



बैतडी/दार्चुला

अर्घाखाँची



# सह-सचिव डा. राजेन्द्र प्रसाद मिश्रज्यू र परियोजना व्यवस्थापन एकाइको अनुगमन (झापा, मोरङ र धनुषा)



# कृषि अधिकृतहरुकालागि परियोजना व्यवस्थापन तथा लगफ्रेम र सूचक निर्माण तालिम सञ्चालन (खोपासी, काभ्रे २०८०/०२/०७ देखि ०२/१० सम्म)





# PIU अन्तर्गतका Engineer/Sub-Engineer हरुलाई कृषि पूर्वाधार सम्बन्धी Design/Estimate/Quality Control सम्बन्धी विस्तृत तालिम



तालिम भएको स्थान: पूर्वाञ्चल इन्जिनियरिङ्ग क्याम्पस,  
धरान, सुनसरी  
मिति: २०७९/०६/०७ देखि २०७९/०६/११ सम्म  
जम्मा सहभागी संख्या: १४ जना



# कृषि पूर्वाधारहरुको Design/Estimate आधुनिकीकरण गर्न PMAMP मा कार्यरत ईन्जिनियरहरुलाई 3-D Modeling Training



तालिम भएको स्थान: सौराहा, चितवन  
मिति: २०७९/०४/२९ देखि २०७९/०५/०२ सम्म  
जम्मा सहभागी संख्या : १३ जना





## झापा माननीय कृषि तथा पशुपन्ध्री विकास मन्त्रीज्यूबाट कार्यक्रम अनुगमन



माननीय कृषि तथा पशुपन्ध्री  
विकास मन्त्री डा. बैदुराम  
भुसाल, स्वकीय उप-सचिव  
श्री सुशील भट्टराईज्यू  
लगायतका अन्य  
महानुभावहरुबाट मिति  
२०८० साल वैशाख १६  
गते झापाको रवर जोनको  
कार्यक्रम अनुगमन  
निरीक्षणभएको। २०८०/  
०१/१६

## झापा मकै जोन कार्यक्रम अनुगमन



कृषि तथा पशुपन्ध्री विकास  
मन्त्रालय, सह-सचिव डा.  
राजेन्द्र प्रसाद मिश्र, पूर्व सह-  
सचिव डा. सिद्धिगणेश श्रेष्ठ,  
डा.अम्बर शाह, डा.कृष्ण  
यादव, वरिष्ठ वाली सरक्षण  
अधिकृत श्री ईन्द्र हरि पौडेल,  
PMAMP, परियोजना  
व्यवस्थापन इकाईका नि.  
परियोजना निर्देशक श्री  
हिक्मत कुमार श्रेष्ठ, वरिष्ठ  
कृषि अधिकृत श्री मनोज  
कुमार यादव लगायतका  
अनुगमन टोलीले मकै जोन  
कार्यक्रमका बारेमा अनुगमन  
गर्दै। २०७९/१०/०६



# झापा मसिनो तथा बास्नादार धानको प्रवर्द्धन मेची.न.पा., झापा



मेची कृषक बहुमुखी सहकारी संस्था लि., मे.न.पा. ७, झापा क्षेत्रमा धानको बिज वृद्धि कार्यक्रममा लगाइएको लल्का वास्मती र कालो नुनिया जातको धानको अवलोकन गर्नु हुदै कार्यालयका व.कृ.अ. श्री रविन्द्र सुवेदी, सहकारीका व्यवस्थापक दिपक काफ्ले र कृषक २०७९/०८/२८

झापा  
यान्त्रीकरणमा सहयोग



चार चक्के राईस ट्रान्सप्लान्टर र  
रबर ट्रयाकवाला कम्वाईन  
हार्भेष्टरको अनुगमनका क्रममा  
व.क.अ. श्री रविन्द्र सुवेदी साथमा  
फर्मका संयोजक श्री रामचन्द्र उप्रेती  
तथा व्यवस्थापक श्री भूपाल गौतम

राईस मित मोडल कार्यक्रम  
अन्तर्गत कष्टम हायरिङ्ग सेन्टरमा  
खरिद भएको ट्रयाक्टर सेट  
अनुगमनका क्रममा व.कृ.अ. श्री  
रविन्द्र सुवेदी साथमा सहकारीका  
व्यवस्थापक श्री दिपक काफ्ले  
लगायत अन्य। स्थान: मेची  
कृषक बहुमुखी सहकारी संस्था  
लि., मै.न.पा.-५। झापा।  
२०८०/०३/०४



# झापा हिउँदे मकै क्षेत्र विस्तार कार्यक्रम,



हिउँदे मकै क्षेत्र विस्तार कार्यक्रमको मकैको दाना हेर्दै बरिष्ठ कृषि अधिकृत रविन्द्र सुवेदी ज्यू झापा गा.पा.-६

# झापा सुपारी जोन क्षेत्रमा साना मेसिनरी औजार उपकरणमा अनुदान सहयोग, झापा



स्थान: उप्रेती सुपारी प्रशोधन केन्द्र, मे.न.पा.-४, झापा



स्थान: किसान सुपारी स्टोर्स, बुद्धशान्ती गा.पा.-२, झापा



स्थान: प्रगति कृषि फर्म, मे.न.पा.-२, झापा



स्थान: गाउँले कृषि फर्म, मे.न.पा.-३,  
झापा



स्थान: एलिस कृषि फर्म, बुद्धशान्ती गा.पा.-३,  
झापा



# इलाम

## किवि जोन र गाई जोनका क्रियाकलाप





# ताप्लेजुङ

आलु जोन रस्टिक स्टोर



पाथिभरा याङवरक गाउँपालिका ०६ मा वीउ श्रोत केन्द्र स्थापना भवन

# ताप्लेजुङ

## मकै प्रशोधन तालिमका केही झलकहरु





# ताप्लेजुङ

## कृषि यान्त्रीकरण वितरण कार्यक्रम केही झलकहरु



कार्यालय प्रमुखबाट कृषि यान्त्रीकरण कृषकलाई वितरण गर्नुहुदै



कार्यालय प्रमुखबाट कृषि यान्त्रीकरण कृषकलाई वितरण गर्नुहुदै

# ताप्लेजुङ



आलु जोन चक्लाबन्दी  
२०७९/०८० को  
कार्यक्रम

मकै चक्लाबन्दी कृषक जोत्दै



# मोरङ

## तरकारी बजारीकरणमा नयाँ ढुवानी साधन सिटी लोडर (City Loader) वितरण



बजारीकरणको लागि तरकारी जोन क्षेत्रमा ५०% अनुदानमा ४ वटा ट्याम्पो लोडर वितरण भई विराटनगर, इटहरी र धरान सम्म तरकारी ढुवानीमा टेवा पुगेको ।

# मोरङ

## हाईटेक निर्माण



तरकारी जोन क्षेत्रमा ५ वटा हाईटेक नर्सरी  
स्थापना भएको ।

# मोरङ

## माछा क्षेत्रफल विस्तार





तेहथुम

सुन्तला क़प कटिङ्ग



रायो खेती सिधुवा



# तेहथुम





# खोटाड



साना सिंचाई अन्तर्गत निर्माण गरिएका सिंचाई संरचनाहरु

# खोटाङ

## बाख्राको खोर निर्माण





# खोटाङ

## बाख्राको खोर निर्माण





# सुनसरी- मेडिया/पत्र-पत्रिकामा परियोजनाको गतिविधि



BARNAMALAONLINE.COM

सुनसरीका कृषि र पशु प्राविधिकलाई अभिमुखिकरण - वणमाला अनलाइन

कृषि समाचार, गाजर धुने मेशिन



देवानगन्जा  
किसान लाई गाजर धुने मेशिन प्रदान

YOUTUBE.COM

किसान लाई गाजर धुने मेशिन प्रदान #sunsari #nepal

हरिद्वार

शुक्रबार २८ असार, २०८१ Sunday १ July, २०२३

३

## हरिद्वार सहकारीले सुरु गर्‍यो बेसार प्रशोधन उद्योग



हरिद्वार सहकारीले सुरु गर्‍यो बेसार प्रशोधन उद्योग। जसका वीर शिवा बस्नेत, विमल ठकुरी र रमेशबहादुर चौधरी।

प्रकाश शर्मा।

कान्तिपुर टेलिभिजनमा प्रसारण प्रदेश विशेष, ०९ असार २०८०, (बास्मती चामल बजारीकरण सम्बन्धि कृषि समाचार)



कान्तिपुर टेलिभिजनमा प्रसारण प्रदेश विशेष, ०९ असार २०८०, (बास्मती चामल बजारीकरण सम्बन्धि कृषि समाचार)



# सुनसरी

स्थानीय बासमती चामल प्रशोधन, लेबलिङ्ग, प्याकेजिङ्ग सहयोग, ८५ % अनुदानमा सहयोग, १ घण्टामा ४-५ क्विन्टल बासमती चामल प्रशोधन गर्ने मेशिन (पॉलिस्टर मेशिन द्वारा





# सुनसरी



बेसार प्रशोधन उद्योग संचालन सहयोग - आधुनिक बेसार खेतीमा उन्मुख हुदै बेसार उद्योग संचालनमा रुपान्तरण भएको \_





सुनसरी



१.गांजर धुने मेशिन

आधुनिक गांजर धुने मेशिन अनुदानमा वितरण सहयोग, १ घण्टामा २ टन गांजर धुने क्षमता भएको ..यस मेशिनबाट मुला, अदुवा, बेसार समेत धुन सकिने सम्भावना रहेको.



२. गांजर बिउ रोपने मेशिन





# संखुवासभा/भोजपुर





संखुवासभा/भोजपुर

पुरानो सुन्तला वगान ब्यवस्थापन/प्रतिस्थापन कार्यक्रम,  
मादी नगरपालिका: ५



## संखुवासभा/भोजपुर



सिंचाई पुर्वधार निर्माण



## संखुवासभा/भोजपुर



चक्लाबन्दी  
कार्यक्रम  
अन्तरगत  
तरकारी  
उत्पादन



# उदयपुर

- बिगतका आ.व.मा परियोजनाबाट सञ्चालित कार्यक्रमबाट देखिएको परिवर्तन (Transformation):



बगैँचा व्यवस्थापन, सुन्तलाजात जोन



# उदयपुर

उन्नत प्रविधि सहित क्षेत्र विस्तार सुन्तलाजातका बिरुवा वितरण, कटारी न. पा., ताप्ली  
गा. पा. र रौ. गा. पा. उदयपुर





# उदयपुर

बेसार चक्लाबन्दी खेती कार्यक्रम सहयोग, त्रि. न. पा. १५, चौ न. पा. १ र ढ, बे. न. पा. ६ उदयपुर



## उदयपुर

जोन/सुपरजोन क्षेत्रमा कृषि यान्त्रिकरण सहयोग, चौ. न. पा. ८, त्रियुगा न. पा. १५ तथा  
बेलका न. पा. २ र ५, उदयपुर





# ओखलढुङ्गा



**प्रविधि सहितको अनुदानलाई जोड:** उच्च घनत्वको स्याउ बगैचा विस्तार (६ हे), असिना अवरोधक जाली प्रणाली जडान (३ हे), थोपा सिचाइ जडान (५ हे), जंगली जनावारको क्षति न्यूनीकरण गर्न घेरबार कार्यक्रम (१९३० मि), मलखाद र सुक्ष्म खाद्य तत्व ब्यवस्थापन

# ओखलढुङ्गा



## कार्यक्रमहरुको झलकहरु



२५ वटा बाख्रो खोर निर्माण भएको जसका कारण बाख्रा रोगमा कमि आउनुका साथै उत्पादनमा बृद्धि भएको

१९ वटा उन्नत बोर क्रस बोका अनुदान मार्फत नक्ष सुधार भएको





## कार्यक्रमहरुको झलकहरु



किवि भण्डारणको लागि ५ वटा कुलबुट निर्माण करिव २० टन भण्डारण हुने



बाखाको अन्तरिक तथा बाह्य परिविबि नियन्त्रण कार्यक्रम



धनुषा

## मत्स्य पोखरी निर्माण

काजल मत्स्य पालन फार्म,  
क्षि.न.पा.-५



हसन माछा तथा कृषि फार्म,  
क्षि.न.पा.-२



आयुष कुखुरा तथा माछा पालन फार्म,  
लक्ष्मिनिया गा.पा.-५



हरि ओम माछा पालन तथा पशुपालन  
फार्म,  
कमला न.पा.-८



धनुषा

# RAS प्रविधि मार्फत मत्स्य प्रवर्द्धन कार्यक्रम

जानकी एग्रो इन्डस्ट्रिज प्रा.लि.,  
मि.न.पा.-९



चौधरी कृषि फार्म प्रा.लि., क्षि.न.पा.-९



जनप्रिय कृषक समूह, औरही गा.पा.-२



बारा



सहकारी सञ्जाल मार्फत १०% अनुदान प्राप्त



डिप बोरिंग जडान



दाना बनाउने पैलेट मेशिन



बारा



### हृदिनाथ ९ जातको धानमा बाराका किसान आकर्षित

DATE RECEIVED: 11/11/2011

काया — सुवर्णा हाटीयाजिना ५ हाटीया हाटीया ५० वर्षीय असेकुलवा घाटव घसाणपम लखवजना पिता  
काजिना सोप नव्हीनात सुवर्णाहा नसाणपमि ५ वर्षीयात कुमि नव्हीना घसाणपम घम ।

[illegible]

અગત્ય અનુસાર યોગદાતા ને તેને વહિવટ વાળાનું યોગદાન થાય છે. જો તે અધિક અધિકારીઓ સાથેના યાત્રા ને, સારી જાણવામાં આવે છે કે કયા સેવાઓમાં યાત્રા કરી શકાય છે અને કયા નહીં. આથી યોગદાતાઓને યોગ્યતા અનુસાર યાત્રા કરી શકાય છે.

[illegible][illegible]

पराजालें येते धातू अतिशयही छोटं। निवडायचे अगुज घेतल्यावर या धातू निवडायला येते असायला पाहिजे अशी धातू असायला पाहिजेला हवे।

કુર્ચિ ઉત્પાદનમાં સર્વિશ્વ (કર્ચી) એ વિશિષ્ટિત યોગી એ ઉત્પાદકો મેળે આમની ઉત્પાદનને આગળ નીચે નીચેના ટીકાઓ મુજબે કર્યા છે. તેમણે એવાં સંસ્થાઓને દેખાડ્યાં છે: ઉત્પાદનમાંની કુર્ચિ આધુનિકીકરણ ઇન્જિનીયરિંગ અને કન્ટ્રીસાઇટ સંસ્થાઓને 'સુચક' સંસ્થાઓને ઉત્પાદનને દુરૂં નાશ થાય ઉત્પાદનને કાર્યકર્મને લઈ આગળના ઉત્પાદનમાં આમને ઉત્પાદનને (સુચક) સંસ્થાઓને એ ઉત્પાદકો અને સંસ્થાઓને એ છે.

[illegible][illegible][illegible]

# रौतहट

## धान रोप्रे मेशिनबाट रौतहटमा धान रोपाइँ



Ghantaghar TV



Ghantaghar TV

30 June at 13:00

मधेश प्रदेशके रौतहटमे मेशिनसे धान रोपाईं  
प्रधानमन्त्री कृषि आधुनिकीकरण परियोजना अर्काई रौतहटसे २१ लाखके मेशिन ५० प्रतिशत अनुदानमे खाना किराना  
सहकारी संस्था चन्द्रपुर-८ सप्तपुरके मिलल बा किसान हबित ।  
तस्बिर आकाश गुल्, कृषि अधिकृत।



Shatrudhan Singh, Lucky Kumar Phanait and 293 others

2 comments 10 shares



Like



Comment



Share



# रौतहट

सहभागितात्मक कृषि प्रविधि तथा सिकाई केन्द्र अन्तर्गत ५० प्रतिशत अनुदानमा साना किसान कृषि सहकारी संस्था सन्तपुर लाई tractor १ थान , पावर टिलर २ थान , weeder १ थान ,Rotavator २ थान र Thresher १ थान वितरण



साना किसान कृषि सहकारी संस्था लि.

चन्द्रपुर न.पा.-८, सन्तपुर (म.), रौतहट  
(सहकारी ऐन २०४८ अनुसार स्थापित)  
फोन नं. ९८५५०३९३६९

साना किसान कृषि सहकारी संस्था लि.  
चन्द्रपुर न.पा. व. सन्तपुर (म.), रौतहट द्वारा सञ्चालित  
कम्प्यूटराइज्ड सेक्टरमा सञ्चालित लेखा तथा उपकरणको विवरण सहित दररेट

**भाडा मूल्य सूची**

| क्र.सं. | Farm Machinery तथा Equipment को नाम | भाडा मूल्य (ले. रु.) | १०-२० दिन भित्रमा<br>जम्मा गर्ने |
|---------|-------------------------------------|----------------------|----------------------------------|
| १       | कलटिनेटर ट्राक्टर सहित              | १२०० प्रति घण्टा     |                                  |
| २       | ट्रोलिनेटर ट्राक्टर सहित            | १२०० प्रति घण्टा     |                                  |
| ३       | पावर सेक्टर ट्राक्टर सहित           | १२०० प्रति घण्टा     |                                  |
| ४       | पावर टोभे लेभल                      | ५००० प्रति दिन       |                                  |
| ५       | पावर टिलर                           | १००० प्रति घण्टा     |                                  |
| ६       | रिपर                                | ३०० प्रति घण्टा      |                                  |
| ७       | पावर सरीरी ट                        | ५ प्रति घण्टा        |                                  |
| ८       | लण्ड लेजर लेभल ट्राक्टर सहित        | १२०० प्रति घण्टा     |                                  |
| ९       | टेलर ट्राक्टर सहित                  | १००० प्रति घण्टा     |                                  |





## सर्लाही

बरहथवा नपा २ तथा बागमती नपा २  
वटा मा कस्टम ह्यारिङ्ग सेन्टर स्थापना  
भै उत्पादन लागतमा कमि आएको,  
२०% कम दररेटमा मेशीनरी प्रयोग  
भएको



# सर्लाही



सिंचाईका लागि ८ वटा इनार निर्माण भै करिब १०० हे. जग्गा सिंचित भएको



सर्लाही

## मकै चक्लाबन्दीका उपलब्धिहरु



मेकानाइजेशनसहित चक्लाबन्दीमा मकै खेती गरी प्रति हेक्टर ९ मे.ट./हे. उत्पादकत्व प्राप्त



# पर्सो

## मेडिया/पत्र-पत्रिकामा परियोजनाको गतिविधि



२० औँ राष्ट्रिय धान दिवस कार्यक्रम



कृषि यान्त्रिकरण सम्बन्धि तालिम

पर्स

धान प्रशोधन उद्योग स्थापना



प्रविधि प्रदर्शन- ड्रम सीडर



प्रविधि प्रदर्शन- जिरो टिलेज

# पर्सि

## २८.७५ क्युबिक मिटर बाँध निर्माण ( RCC Drop Structure)



दुर्गा दलित कृषक समुह, पर्सिगढी ४



सिरहा  
भकारो सुधार

जिउँदो माछा पसल

कृ. यान्त्रिकरण



सिरहा

सघन माछा खेती प्रदर्शन





# चितवन

व्यवसायीक कृषिमा महिला साना किसान सहका...  
www.vyavasayikarushima.com

व्यवसायीक कृषिमा महिला साना किसान सहकारीको फड्को, चामल मिलदेखि कस्टम हायरिड सेन्टरसम्म

1005 SHARES

© 2020 सागर २४ पत्रे, आईएमए

आर्थिक

## चितवनमा यान्त्रिकरणको विस्तारले खेती गर्न सहज

चितवनमा यान्त्रिकरणको विस्तारले खेती गर्न सहज भएको छ। यहाँका किसानहरूले यान्त्रिक उपकरणहरूको प्रयोग गरेर खेती गर्न सक्ने भन्ने जानकारी पाएका छन्। यो उपकरणहरूले खेती गर्न सहज पार्नेछन्।



चितवनमा यान्त्रिकरणको विस्तारले खेती गर्न सहज भएको छ। यहाँका किसानहरूले यान्त्रिक उपकरणहरूको प्रयोग गरेर खेती गर्न सक्ने भन्ने जानकारी पाएका छन्। यो उपकरणहरूले खेती गर्न सहज पार्नेछन्।





# चितवन



धान मिल संचालन तथा बजारीकरण सहयोग कार्यक्रम



# चितवन

## Tractor mount Boom Sprayer



- ट्याक्टर (४० hp+) बाट संचालित बिषादी छर्ने मेशिन
- ट्याक्टर पि.टि.ओ. - ५४० rpm
- १२ मीटर चौडाईमा बिषादी छरिन्छ
- ४०० लि ट्यांकीको क्षमता भएको
- ४० लि. क्षमताको सफा गर्ने ट्यांकी
- १५ लि. क्षमताको हात धुने ट्यांकी सहित
- \*nozzle discharge 1.53 l/min at 20 bar pressure
- तौल: २३० के.जी.



# चितवन

## Fertigation सहितको drip irrigation G9 केरा





# चित्रवन

पानी ट्यांकीमा खुट्टाले माड्ने विधि अत्यन्तै झन्झटिलो र श्रम बढी लाग्ने अवस्थामा परियोजनाबाटै गाजर धुने मेशिनको design गरि स्थानीयस्तरमा तयार गरिएको ।



# मेडियामा भक्तपुर

17 JUL AT 01:33

<https://www.youtube.com/watch?v=ODbIfXy0KZQ>



कोरियन टमाटर यसरी फल्छ नेपालमा ||  
Vegetable Farming in Nepal ||



<https://www.youtube.com/watch?v=TaYMsrioDMS>



९ वर्षको विदेश पछि अब आफ्नै कृषि फर्ममा || Vegetable Farming in Nepal ||



[https://youtu.be/9ba5\\_M7Vq0w](https://youtu.be/9ba5_M7Vq0w)



प्रधानमन्त्री कृषि आधुनिकिकरण  
परियोजना, परियोजना एकाई भक्तपुर ||  
PMAMP Episode - 01 ||





# भक्तपुर



तरकारीमा चक्लाबन्दी कार्यक्रम, चक्लाबन्दी



# भक्तपुर



स्थानियस्तरमा नर्सरी स्थापना सहयोग कार्यक्रम  
चन्द्रागिरी.न.पा., काठमाण्डौ



स्थानियस्तरमा नर्सरी स्थापना सहयोग  
कार्यक्रम सु.न.पा., भक्तपुर

# दोलखा

# किवी जोन अन्तर्गतको स्थानीय तहसँग समन्वयमा स्थापित भएका किवी बगैँचामा थाँक्रा अनुदान कार्यक्रम





# दोलखा

PBS बाट बीउ आलु उत्पादन सहयोग कार्यक्रम अन्तर्गत PBS बाट बीउ आलु उत्पादन प्रविधि सम्बन्धि तालिम साथै कृषकहरु लाई आलु बीउ( PBS दाना ) बितरण। मिति :

२०७९/०९/२३

स्थान / प्राविधिक सहयोग : आलु बाली बिकास केन्द्र, निगाले ,सिन्धुपाल्चोक





# रामेछाप

आलुको क्षेत्रफल विस्तार कार्यक्रम अन्तर्गत प्रकाश मिलिजुली कृषि तथा  
पशुपंक्षी फर्म गोकुलगंगा गाउँपालिका-३, रस्नालु, रामेछाप



सिन्धुली

## Fighting against Chinese citrus fly – AWCP





## सिन्धुली स्वस्थ विरुवा उत्पादनको प्रयास



रैथाने क्याफेमा जुनारको मिनी मेला





# सिन्धुली

## प्रचार प्रसार सामाग्री



यो सिट्रस सिल्ला कीरा हो ।  
यसले लिमिज रोग सधैं काम गर्दछ ।



यसो रोगको भुत्ताको  
बगैँचा र रोगको बोटबाट  
किराको बोटबाट रोग लाग्छ ।



कीराको प्रकोप यस्तो देखिन्छ ।



यो फल कुट्नुले  
औँसाको माउ हो ।



फल यो रोगको माए  
पछि यसरी फल पाउँछ



फलको भत्ती यस्तो हुन्छ



रोगको बोटमा यस्तो लक्षण देखिन्छ ।



अन्तला बगैँचा यस्तो हुन्छ ।  
सिल्ला कीराको अक्षमता र नियन्त्रण गरी



प्रधानमन्त्री कृषि आधुनिकीकरण समितिको  
सिन्धुली जिल्ला शाखाको माध्यम  
सिन्धुली



बगैँचाको प्रतिकूल  
व्यवस्थापन गरी



रोगको फलको सम्बन्ध  
अन्तरगत पोटिबोट रोग गरी



प्रतिकूलको सम्बन्ध  
अन्तरगत पोटिबोट रोग गरी

सिन्धुली

Cold Room : सफल प्रविधि, पहिलो बर्ष नै लगानी उठ्यो





# सिन्धुपाल्चोक/काभ्रे

## मेडिया/पत्र-पत्रिकामा परियोजनाको गतिविधि Screen shots, scan copies उपलब्ध भएमा Video clips सहित



पनौतीको कुशादेवीमा पि बि एस बीउ आलु उत्पादन Airoponics प्रविधिको प्रयोग शुरुवात (उत्पादित PBS, BS बीउ आलु देखभरीका ३६ जिल्लामा बिक्री..... काठमाडौं विश्वविद्यालय, राष्ट्रिय आलु तरकारी तथा मसला बाली, SQCC, NARC लगायत सरोकारवालाहरुको संयुक्त प्रयासको उपलब्धि ।



कृषि सम्बन्धि निकाय र कृषकको कार्यमा माननिय सभासदको समेत चासो र सक्रियता .....



गह्रा सुधार गरिएको स्थानमा माटोको उर्वराशक्ति हास तथा बढ्दो शहरीकरणले गर्दा प्लटिङ र गैर कृषिमा जमिनको प्रयोगको चुनौती देखिएको .....



## सिन्धुपाल्चोक/काभ्रे



प्लाष्टिक मल्लिङ्ग प्रविधि अपनाई लगाईएको आलु पाँचखाल तथा पनौती न.पा. काभ्रे - उत्पादकत्व 45 मे.टन./हे.



परियोजनाको सहयोगमा लगाईएको आलु (पाँचखाल) । आलुको उत्पादन तथा प्रविधिका बिषयमा श्रीमान सचिवज्यूसँग छलफल तथा फिल्ड अनुगमन पनौती न.पा. काभ्रे

## सिन्धुपाल्चोक/काभ्रे



गुणस्तरिय आलु बीउ उत्पादनकोलागि स्क्रिन हाउस सुदृढीकरण तथा उत्पादित रोजिटा BS बीउ आलु बनेपा न.पा. काभ्रे ४ वटा स्क्रिन हाउसबाट ३५०००० पि वि एस दाना वार्षिक उत्पादन क्षमता



आलुको भण्डार तथा ग्रेडिङकोलागि भण्डार केन्द्र (पनौती), रस्टिक स्टोर (बेथानचोक) तथा आलुको Value Addition कोलागि चिप्स उद्योग सुदृढीकरण बनेपा काभ्रे



## सिन्धुपाल्चोक/काभ्रे



व्यवसायिक पशुपालनकालागि गोठ सुधारका दृश्यहरू (बलेफी मेलम्ची गा.पा. तथा सिन्धुपाल्चोक, बेथानचोक च्यामराङ्गवेशी काभ्रे तथा पशुपालनमा म्याटको सदुपयोग



परियोजनाको सहयोगमा स्थापना गरिएको मिल्क चिलिङ्ग भ्याट (चण्डेनी मण्डन सा.कि.कु.स.सं.लि.) तथा चिलिङ्ग भ्याटको प्रभावकारी सदुपयोगका बारेमा छलफल हुदै (मण्डनदेउपुर न.पा. काभ्रे) साथै पशु स्वास्थ्य सुधारकोलागि परियोजनाद्वारा कृषकहरुलाई पशु औषधि सहयोग



## सिन्धुपाल्चोक/काभ्रे



साना सिंचाई : बलेफि-२, विन्जेल सिंचाई पोखरी, चौतारा सागाचोकगढी न.पा.-१४, ढाँडे, सिन्धुपाल्चोक, मण्डनदेउपुर-१ बालुपापाटि काभ्रे (जम्मा २२ वटा सम्पन्न भई ५० हेक्टर क्षेत्रफलमा सिंचाई सुविधा भएको ।

## सिन्धुपाल्चोक/काभ्रे



परियोजनाको सहयोगमा पाँचखाल १२ काभ्रेमा ६० रोपनी जग्गा गह्वा सुधार गरिएको तथा चक्लाबन्दीको रुपमा आलु खेतीकोलागि जग्गाको तयारी..... **पछि उक्त जग्गा गैर कृषिमा प्रयोग भए हामीले कसरी समाधान गर्ने होला ???**



धादिङ

प्राविधिक शिक्षालयको साझेदारिमा कृषि उत्पादन कार्यक्रम (सहयोग) अनुगमन





धादिङ

चक्लाबन्दीमा आधारित खेति मार्फत उत्पादनमा वृद्धि कार्यक्रम अनुगमन



धादिङ

स्थायी प्लाष्टिक टनेल निर्माण अनुगमन





धादिङ

साना सिचाई पुर्वाधार निर्माण कार्यक्रम अन्तर्गत जोन क्षेत्रमा निर्माण  
भएका साना सिचाई योजनाहरु





नुवाकोट/रसुवा

मुख्य कार्यक्रमहरुको झलक



आलु जोन नुवाकोट र रसुवामा संचालित आलु विजवृद्धि सहयोग कार्यक्रमको झलकहरु

## धान जोन नुवाकोटमा निर्माण गरिएको साना सिंचाइ आयोजना

नुवाकोट  
/ रसुवा





## नुवाकोट/रसुवा धान जोन नुवाकोटमा निर्माण गरिएको साना सिंचाइ आयोजना





## नुवाकोट/रसुवा



परियोजना व्यवस्थापन एकाइबाट नुवाकोट जिल्लामा संचालित कार्यक्रमहरुको फिल्ड अनुगमनका क्रममा

नुवाकोट/रसुवा  
बाख्रा जोन रसुवामा निर्माण गरिएको बाख्राको खोर



## मकवानपुर



कृषि प्रविधि सिकाई केन्द्र



## मकवानपुर



प्याकेजिङ्ग लेवलिङ्ग तथा पोष्टहाभेष्ट  
क्षति न्युनिकरण



कृषि बजार भण्डारण पूर्वाधार स्थापना  
श्री मक्रान्चुली साझा संस्था लि. हेटौडा, ६

## मकवानपुर



सिंचाइ पूर्वधार निर्माण

## नवलपरासी ब.सु.पूर्व



तरकारी क्षेत्र विस्तार अन्तरगत कुरिलो खेती, कावासोती-१७



कृषि उपज संकलन तथा विक्री केन्द्र, मध्यविन्दु १

सहभागितात्क  
प्रविधि प्रदर्शन तथा  
सिकाइकेन्द्र  
स्थापना



## बागलुङ



८५० किवि विरुवा रोपण



१२०० ओखर विरुवा रोपण



लमजुङ/मनाङ)



मौरी घर



मह प्रशोधनका लागि प्लाण्ट सहितको घर निर्माण



तरकारी क्षेत्रविस्तार

## गोरखा



आलु जोन अन्तर्गत आलु खेती धर्चे गा.पा-२



चैते धान  
खेती  
पालुङटार  
न.पा-१



## कास्की



कोल्ड रुम-सर्वगुण फुड्स



प्रविधिक शिक्षालयको साझेदारीमा व्यवसायिक उत्पादन कार्यक्रम संचालन अनुदान



साना सिचाई  
कार्यक्रम

## मुस्ताङ/म्याग्दी



मुस्ताङबाट च्याँग्रा निर्यात



स्याउ प्याकेजिङ (२० केजी क्षमताको )



मुस्ताङको सेतो आलुको बीउको खेती  
(शिख, अन्नपूर्ण गा.पा. ५)



## स्याडजा



अभियान मुलक क्षेत्र विस्तर



व्यवस्थित बगैचा





## अर्घाखाँची



**Coffee Roaster वितरण**



**स्रोत केन्द्र स्थापना**



**५०% अनुदानमा यान्त्रिकरण वितरण**

## दाङ



उन्नत प्रविधि प्रदर्शन तथा सिकाई केन्द्र (स्वदेशी हाईब्रिड मकै प्रदर्शन)



स्वदेशी हाईब्रिड मकै RH 10 क्षेत्र बिस्तार २०० हे



सहकारी बाट सञ्चालित तेल उद्योग



साईलेज बनाउने मकै जोखे Weighing Bridge

## कपिलबस्तु



कृषि तथा पशुपन्छी विकास मन्त्रालयका श्रीमान माननिय मन्त्रीज्यू र प.का.ए.को टोलीबाट बुद्धभुमी-१० को तरकारी तथा माछाको निरिक्षण



कष्टम हयारिड् सेन्टर स्थापना मायादेवी गा.पा.-७, रतनपुर, कपिलबस्तु



पक्की कूलो निर्माण बाणगंगा न.पा.०३



## पाल्पा



कागती चक्लाबन्दी खेती



अदुवा धुने/छोडाउने मेशिनको लागि सहयोग



बजारीकरणको लागि कार्टुन र क्यारेट वितरण

## प्यूठान



बेमौसमि तरकारी खेति र उन्नत प्रविधि सहित क्षेत्र विस्तार



मुला विउ उत्पादन कार्यक्रम



विभिन्न परिक्षण प्रदशन एवं तरकारी बालीमा IPM कृषक पाठशाला



## रुपन्देही



केरामा घरी छोप्ने प्रविधि (ब्यागिङ्ग)



माछाको उत्पादन विविधिकरण,  
प्रशोधन, प्याकेजिङ्ग सम्बन्धी  
सहभागितात्मक पोष्ट हार्भेष्ट प्रविधि  
प्रदर्शन कार्यक्रम





## रुकुम पूर्व



आलु क्षेत्र विस्तार



तालिम/प्रदर्शन कार्यक्रम



Hartley and Payne जातका ओखर विरुवा वितरण



## बाँके



मकैमा अमेरिकन फौजी (Fall armyworm) किरा पहिचान,  
रोकथाम तथा सुरक्षित विषादिको प्रयोगबारे अन्तरक्रिया



चैते धान (हर्दिनाथ-३) खेती प्रदर्शन, डुडुवा- ३, सुर्यलाल  
पुर्वा



जय किसान कृषक  
समुह डुडुवा- ६  
बाँकेमा मकै  
चक्लाबन्दी कार्यक्रममा  
कृषि यन्त्रहरू वितरण  
गर्दै

## गुल्मी



उन्नत प्रविधि प्रयोग गरि चक्लाबन्दीमा सुन्तला खेती



कफी क्षेत्रफल बिस्तार कार्यक्रम,मदाने गाउँपालिका -३



## बर्दिया



प्रशोधन उद्योग चिउरा मिल,  
ब्याड तयारी, न्यूनतम समर्थन  
मूल्यमा धान खरीद

बर्दिया





## जाजरकोट



## सेलार स्टोरमा सुन्तला भण्डारण



## सुन्तलाजात फलफुल बगैँचा व्यवस्थापन कार्यक्रम



## जाजरकोट



## साना सिंचाई सहयोग कार्यक्रम



## स्थलगत प्रशिक्षण तथा प्राविधिक वार्तालाप

दैलेख



सिंचाइ पोखरी निर्माण



चक्लाबन्दीमा आलु खेती कार्यक्रम



## दैलेख



आलु क्षेत्र विस्तार कार्यक्रमका झलकहरु (५० हेक्टरमा विस्तार गरिएको)





## जुम्ला



उच्च घनत्व स्याउ बगैंचा स्थापना तथा चक्लाबन्दीको लागि  
स्याउ बिरुवा वितरण



## जुम्ला



साना सिंचाई निर्माण



स्याउ गेडिड मेसिन जडान



## जुम्ला



### मिनिटिलर बितरण



स्याउ ढुवानीका लागि कार्टुन छपाई तथा वितरण र सिमि क्षेत्र  
बिस्तार/चक्लाबन्दीका लागि बिउ बितरण



मुगु



साना सिंचाई निर्माण सहयोग



नर्सरी श्रोत सुदृढीकरण कार्यक्रम

मुगु



उच्च घन्त्व स्याउ क्षेत्र बिस्तार





## हुम्ला



साना सिंचाई सहयोग कार्यक्रम



स्याउ र ओखर क्षेत्र विस्तार कार्यक्रम



## हुम्ला



## जीर्ण स्याउ र ओखर बगैंचा व्यवस्थापन



## हुम्ला



पशु नशल सुधार तथा पशु स्वास्थ्य उपचार कार्यक्रम



खोर निर्माण तथा स्वच्छ मासु पसल स्थापना कार्यक्रम



## सल्यान



५०% अनुदानमा मिनिटिलर वितरण



हाईटेक पोलिहाउस निर्माण



## सल्यान

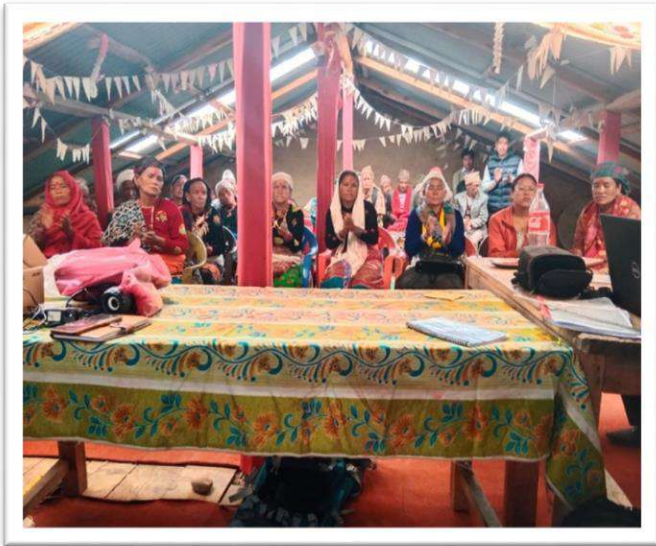


अदुवा/वेसार पोष्टहार्भेष्ट सेन्टर स्थापना,  
निश्चल मसला उद्योग बागचौर न.पा.७  
टाट्के, सल्यान ।



प्याज खेतिमा साना सिंचाई कुलो निर्माण  
सल्यान

## डोल्पा



स्याउ खेति प्रविधि तालिम



स्याउ क्षेत्र विस्तार

## डोल्पा



## नर्सरी निर्माण कार्यक्रम



## चक्लाबन्दी खेतीमा घेरावार तथा साना सिंचाइ



## सुर्खेत



## प्राविधिक शिक्षालयको साझेदारीमा संचालित कार्यक्रम



## सुर्खेत



## शुन्यशक्ति भण्डारणघरमा भट्टा भण्डारण



## प्लाष्टिक घर भित्र तरकारी खेति



## सुर्खेत



## सिंचाइ पुर्बाधार निर्माण सहयोग





## सुर्खेत



रामपुर हाइब्रिड १० मकै खेति गुर्भाकोट २ र १३,



## सुर्खेत



तरकारी उपज संकलन केन्द्र  
हरियाली कृषि तथा पशुपालन कृषक समुह  
पञ्चपुरी २, सुर्खेत



बीउ प्रशोधन तथा भण्डारण केन्द्र निर्माण  
सहयोग कार्यक्रम, लेकवेशी न.पा. ६ सुर्खेत

## सुखेत



अदुवा सुकाउने ईलेक्ट्रिक ड्रायर  
भेरीगंगा न.पा-५ तोलीखोला, सुखेत



अदुवा सुकाउने Cleaning floor  
निर्माण, भेरीगंगा न.पा. सुखेत



मकै जोनमा पोष्ट हार्भेण्ट सामाग्री अनुगमन, सुखेत





सुर्खेत

कृषि इन्टरनहरुले सञ्चालन गरिरहेको अनुसन्धान कार्यहरु



Effect of Spacing and  
Effect of different dose of Phosphorus



"Effect of different mulching practices on growth  
and yield of tomato in SURKHET



मकै जोन तर्फको अनुसन्धान कार्य



# कैलाली

कृषि यान्त्रिकरण सहयोग कार्यक्रम तथा चक्लाबन्दी कार्यक्रम





## कैलाली



चैते धानको क्षेत्रफल विस्तार कार्यक्रम



## कञ्चनपुर



चैते धान खेतीको क्षेत्र बिस्तार



साना सिँचाइ सहयोग कार्यक्रम



प्राविधिक शिक्षालयसँगको सहकार्य

## दार्चुला

Chandler  
frenquit  
जातको  
ओखरको  
बिरुवा  
वितरण -  
टर्कीबाट  
आयातित



यान्त्रीकर  
ण सहयोग  
तथा  
घेरबार  
सहयोग  
कार्यक्रम



## डडेल्धुरा

चकलाबन्दी कार्यक्रम र मल्विड प्रविधि अनुसार आलु खेति





## डडेल्धुरा



- मल्लिङमा भटमास खेती
- सुन्तला विरुवा वितरण
- पोष्ट हार्भेष्ट सहयोग

## अछाम



चक्लाबन्दीमा आधारित आलु खेती, स्थान: मंगलसैन न.पा. र मेल्लेख गा.पा.



## अछाम



बाखाको खोर सुधार, नमुना खोर प्रदर्शन तथा नश्व सुधार श्रोत केन्द्र कार्यक्रम अन्तर्गतका कार्यहरु



## अछाम



सिँचाई पुर्वाधार निर्माण तथा मर्मत सम्भार कार्यक्रम अन्तर्गत निर्माण भएका पोखरी तथा कुलो

## बाजुरा



स्याउ र ओखर क्षेत्र विस्तारका लागि विरुवा वितरण तथा बगैँचा व्यवस्थापन कार्यक्रम



## बझाङ

चक्लाबन्दीमा सिमी खेती



२२ वर्ष देखिको बाँझो  
जमिनमा चक्लाबन्दीमा आलु  
खेती

सिमी खेतीमा ठाक्रा व्यवस्थापन

आलु बीउ  
भण्डारणको लागि  
रस्टिक स्टोर निर्माण



## बझाङ्ग



बझाङ्गको लेकाली आलु बजारीकरणका लागि धनगढी तर्फ ढुवानी गरिदै

## इन्टर्न परिचालन



हालसम्म कृषि स्नातक पढिरहेका १८५५ इन्टर्नका रुपमा परिचालन गरिएको







नवलपरासी (पूर्व) कागती कालिमाटी बजारमा पठाउँदै



मुस्ताङ्ग



मिडियामा प्रधानमन्त्री कृषि आधुनिकीकरण  
परियोजना

# मिडियामा प्रधानमन्त्री कृषि.....

गोरखापत्र

## प्यूठानमा चेत धान खेतीको क्षेत्र विस्तार

१२ असार, २०७३



प्यूठान, १२ असार । प्यूठानमा चेत धान खेतीको क्षेत्र विस्तार हुँदै गएको छ । यहाँ किसान चेत धान खेतीको क्षेत्र विस्तार गर्दै गएको छ । यहाँ किसान चेत धान खेतीको क्षेत्र विस्तार गर्दै गएको छ ।

यहाँ किसान चेत धान खेतीको क्षेत्र विस्तार गर्दै गएको छ । यहाँ किसान चेत धान खेतीको क्षेत्र विस्तार गर्दै गएको छ । यहाँ किसान चेत धान खेतीको क्षेत्र विस्तार गर्दै गएको छ ।

## अन्तर्राष्ट्रिय बजारमा कमीको माग बढेपछि अर्घाखाँचीका कृषक आकर्षित



अर्घाखाँची । अर्घाखाँचीका कृषकहरूले अन्तर्राष्ट्रिय बजारमा कमीको माग बढेपछि अर्घाखाँचीका कृषकहरू आकर्षित भएका छन् । यहाँ किसानहरूले अर्घाखाँचीका कृषकहरू आकर्षित भएका छन् । यहाँ किसानहरूले अर्घाखाँचीका कृषकहरू आकर्षित भएका छन् ।

अर्घाखाँचीका कृषकहरूले अन्तर्राष्ट्रिय बजारमा कमीको माग बढेपछि अर्घाखाँचीका कृषकहरू आकर्षित भएका छन् । यहाँ किसानहरूले अर्घाखाँचीका कृषकहरू आकर्षित भएका छन् । यहाँ किसानहरूले अर्घाखाँचीका कृषकहरू आकर्षित भएका छन् ।

## अर्घाखाँचीका कृषकहरू सेमिहाईटिक ग्राहारीलाई आकर्षित भएका छन् । यो प्रतिविमा अति चिसो र अलि गर्मीलाई निम्नरूप गर्न टेवा पुग्छ ।

-Ghanashyam Paudel/Galaxy 4k Arghachanchi



अर्घाखाँचीका कृषकहरूले अन्तर्राष्ट्रिय बजारमा कमीको माग बढेपछि अर्घाखाँचीका कृषकहरू आकर्षित भएका छन् । यहाँ किसानहरूले अर्घाखाँचीका कृषकहरू आकर्षित भएका छन् । यहाँ किसानहरूले अर्घाखाँचीका कृषकहरू आकर्षित भएका छन् ।

मिडियामा प्रधानमन्त्री कृषि.....



जर्मनीची कृषकहरी सेमिहाईटेक प्रणालीतर्फे अर्थसौख्य प्राप्त झाले। यो प्रतिनिधी अति विश्व र  
 क्ति गर्माई नियन्त्रण नर्तने पुढे।  
 -Ghanashyam Paudel/Galaxy 4t Arghakhanchi



© 2005 Blackwell Publishing Ltd, *Journal of Internal Medicine* 258: 105–112



आर्पेले नवत्याएको कामले नैनसिंहलाई दिलायो नाम र दाम



ने-निष्ठ छात्रावाले हल दर्जवृत्ति भरिल्याबरो तीटिकोवार्जनका लागि विभिन्न कार्यमा जमिंद गेले।

1. **जयदीप मेहता** (जयपुर) : अध्यक्ष, जयपुर जिला।  
 2. **जयदीप मेहता** (जयपुर) : अध्यक्ष, जयपुर जिला।  
 3. **जयदीप मेहता** (जयपुर) : अध्यक्ष, जयपुर जिला।

સુચિતકી બેંચમાં આગવણિકા-૭ થઈકા હુમ ખેડી. ૨૦૬૮ સરકારે એમની માટેના ઘાટા વૈભવવાદી સંસ્થા સુધી સંબંધે સમૂહ કમરબંધ 'વેચેલા જમી' હોતી અને વિવેચના વિકાસથી માટેનાં સહિયોગ અર્થે વિવેચન કરના હોતી અને ફેરવી સરકારી થઈગયો.

અમ બનેલા જાણીતા સંગીતી સમસાગી સીનીવાડી કામનાની કુલ સમગી, અમ બાલ મેલમિનકાની સીમ કાલકલકલક સીનીવાડી મેલમિનકા સીનીવાડી।

दुसरा त वो जेरी जेवर जॉर्जियाजॉन में वन जॉर्जिजोन भरी जगहो छिरी। जेरी बुन गेबजि बरि दुसरा बहाल जगो। कैरिजिजो जगो, जेरीमा जगि मेहनत नव गजगो, जगि नै बलबलव गिगि रीजि।

उपरोक्त जानकारी को देखीं मार्ग अलगवेक ८८ वर्ष ५ मही। उमरी ८५ सेमली गणना  
भीलपधनुसाय गणनाही जायीं सापडिडल। अटुवा, वेसाय, लोडर व डण्डा



# मिडियामा प्रधानमन्त्री कृषि.....

## कृषि यान्त्रीकरणले कपिलवस्तुका कृषकहरुलाई राहत

लुम्बिनी समाज 38 Share



उत्पादन लगत घटाई आम्दानी बढाउन कपिलवस्तुका किसान यान्त्रिकीकरणार्थ आकर्षित बनेका छन् । जनशक्ति र समय समेत कम लाग्ने भरपट्टि किसानले आधुनिक खेती प्रणाली अपनाउन थालेका हुन् । परम्परागत सौप र प्रविधिको ठाउँमा नयाँ रचना, उपकरणले प्रयोग बढ्दै छ ।

सुदूरपश्चिम

## प्रधानमन्त्री कृषि आधुनिकीकरण परियोजना प्रभावकारी



सुदूरपश्चिम/कर्णाली विवरण

## बजारमा जुम्ली स्याउको माग जिल्लामा खेती विस्तार



बजारमा जुम्ली स्याउको माग जिल्लामा खेती विस्तार



प्रधानमन्त्री कृषि आधुनिकीकरण परियोजना (PMKAP) - 01



# मिडियामा प्रधानमन्त्री कृषि.....



प्रधानमन्त्री कृषि आधुनिकिकरण परियोजना, परियोजना एकाई भक्तपुर || PMAMP Episode - 01 ||



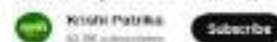
PMAMP Project Episode 4 - Palpa ||



PMAMP Project Episode 4 - Palpa ||



PMAMP Episode 5 - Kailali ||



बेतालीको जनजागृत माविमा बन्यो 'हाइटेक नर्सरी',  
विद्यार्थीलाई आयआर्जनमा सहयोग पुग्ने



मिडियामा प्रधानमन्त्री कृषि.....

[illegible]

# मिडियामा प्रधानमन्त्री कृषि.....



प्रधानमन्त्री कृषि आधुनिकरण कार्यलय खोटाङले व्यवस्थित सुधारिएको बाख्राको खोर बनाउन जोड दिने



प्रधानमन्त्री कृषि आधुनिकरण कार्यलय खोटाङले व्यवस्थित सुधारिएको बाख्राको खोर बनाउन जोड दिने



कपिलवस्तुमा माछा क्षेत्र  
पालनमा व्यवसायीकरण





## मिडियामा प्रधानमन्त्री कृषि.....





मिडियामा प्रधानमन्त्री कृषि.....

**‘कृषि उत्पादन बढ़ाओ, आर्थिक अवस्थामा सुधार’**

सं. ३२३/२०१८, सं. ३३३/२०१८, सं. ३४३/२०१८



## परियोजनाको मोडेलकामको Multiplier effect (Palpa)

विनोद चौधरीले ५ सय रोपनी जमिनमा शुरु गरे अकवरे  
खुर्सानीको खेती



and, therefore,

गाउँमै अदुवा प्रशोधन उद्योग खुलेपछि किसानलाई  
भाउ नपाइने चिन्ता हट्यो

DOI: 10.1002/for



સાથે) – મિટી થઈ જાય છે અને પછી ક્રિયાશીલ, વિચાર, સ્વચિંત, અર્થ, વાકાવ્ય તથા વસ્તુના ગંભીર સ્વરૂપની તૃપ્તિ આપે છે અને તેના અંતરમાં વ્યવસ્થા થઈ જાય છે. (અનુભવી વાકીયાઓ, વાકાઓના સિદ્ધાંતો અને અનુભવોના સિદ્ધાંતો) આ ક્રમોની સાથે વાકાઓના અંતરમાં વ્યવસ્થા થઈ જાય છે અને તેના અંતરમાં વ્યવસ્થા થઈ જાય છે. (અનુભવી વાકીયાઓના અંતરમાં વ્યવસ્થા થઈ જાય છે અને તેના અંતરમાં વ્યવસ્થા થઈ જાય છે.)



# मिडियामा प्रधानमन्त्री कृषि.....



हिन्देसाराट कफेर २५० बडि रोपती बगामा अलेयी बगाम लगाएका हिनेसको कथा | Cardamoms | Sarbhnews24



## सुन्तलाले भरिंदै पाखाबारी चकलाबन्दी गर्दै रोप्दै, २ जर्का खाँच्यो १८ सय रोपनी

सुन्तलाले भरिंदै पाखाबारी



सुन्तलाले भरिंदै पाखाबारी चकलाबन्दी गर्दै रोप्दै, २ जर्का खाँच्यो १८ सय रोपनी

सुन्तलाले भरिंदै पाखाबारी चकलाबन्दी गर्दै रोप्दै, २ जर्का खाँच्यो १८ सय रोपनी

सुन्तलाले भरिंदै पाखाबारी चकलाबन्दी गर्दै रोप्दै, २ जर्का खाँच्यो १८ सय रोपनी

सुन्तलाले भरिंदै पाखाबारी चकलाबन्दी गर्दै रोप्दै, २ जर्का खाँच्यो १८ सय रोपनी



## चकलाबन्दीले बढदै सुन्तला खेती



चकलाबन्दीले बढदै सुन्तला खेती



हराउँदो अवस्थामा पुगेको र्छे धान खेती हुन: फस्टाउँदै #parwat Revenueskhorar



मिडियामा प्रधानमन्त्री कृषि.....

# परियोजना प्रति राजनीतिक तथा सञ्चार क्षेत्रको चासो र चिन्ता

कृषि आधुनिकीकरण कार्यालय, सुनसरीमा जनशक्ति चाहियो:  
भिमप्रसाद आचार्य



धान, माछा र तरकारी जोनको कार्यालय सार्वजनिक



- **संपूर्ण ताल. विभाग**

资料来源:作者根据《中国农村统计年鉴》(1995—2004)整理。

[illegible][illegible][illegible]

कृषिका १० कार्यक्रममा शून्य बजेट

available for: [more info](#)

सर्वोत्तमः सुखः

4736



























संविधान के अन्तर्गत राज्य के नागरिकों को निम्नलिखित अधिकार प्राप्त हैं—

अनेक वस्तु अनेकते भेदा ॥ अथ लक्षणानि दुर्लभानि वदते श्री भट्टनाथः ॥ अथ दुर्लभं अनेक दुर्लभतया  
तुल्यं लक्षणं अनेकं वदते श्री भट्टनाथः ॥ अथ लक्षणानि वदते श्री भट्टनाथः अनेकते लक्षणानि वदते श्री भट्टनाथः  
अथ लक्षणानि वदते श्री भट्टनाथः अनेकते लक्षणानि वदते श्री भट्टनाथः अनेकते लक्षणानि वदते श्री भट्टनाथः  
अथ लक्षणानि वदते श्री भट्टनाथः अनेकते लक्षणानि वदते श्री भट्टनाथः अनेकते लक्षणानि वदते श्री भट्टनाथः

[illegible][illegible]



मिडियामा प्रधानमन्त्री कृषि.....

# पत्र पत्रिकामा माननीय मन्त्रीज्यूको जिल्ला भ्रमण





# परियोजनासंग सम्बन्धित समस्या एवं चुनौतिहरू



## जनशक्ति व्यवस्थापन :

- ✓ परियोजना दस्तावेजले प्रक्षेपण गरे अनुरूप जनशक्ति पूर्ति हुन नसकेको।
- ✓ यस परियोजनामा खटाइने स्थायी कर्मचारीको दरबन्दी पुलमा रहेको र सो अनुसारका कर्मचारी अवकाशमा जाँदा नयाँ पदपूर्तिका लागि लोक सेवा आयोगबाट विज्ञापन नहुने हुँदा जनशक्ति अभाव हुँदै गएको।
- ✓ सुपर जोनमा वैज्ञानिक र खाद्य अनुसन्धान अधिकृत रहने प्रावधान रहेतापनि जनशक्ति व्यवस्थापन हुन नसकेको।
- ✓ पटक पटक संरचनात्मक परिवर्तन गर्दा पनि प्राविधिक जनशक्ति यथोचित व्यवस्थापन गर्न समस्या देखिएको।

## अन्तर तह समन्वय र सहकार्य:

- ✓ विभिन्न सम्भाग अलग अलग निकायबाट सञ्चालनमा रहेकाले सुदृढ समन्वय र सहकार्य हुन नसक्दा सम्भागहरूबीचको अन्तरसम्बन्ध स्थापित हुन नसकेको,
- ✓ ब्लक र पकेट विकास कार्यक्रमहरूको सञ्चालन अवस्था, बजेट खर्च, बाली वस्तु उत्पादन तथा क्षेत्रफल सम्बन्धी विवरण प्राप्त हुन नसक्दा समग्र योजना कार्यान्वयन एवं लक्ष्य प्राप्तिमा असर पुगेको।



### अनुदान दर:

- ✓ विभिन्न निकायबाट सञ्चालित कृषि विकास कार्यक्रममा अनुदान दरमा भिन्नताका कारण कार्यक्रम कार्यान्वयनमा समस्या । परियोजनाको अनुदान दर (५० देखि ८५ प्रतिशत सम्म)
- ✓ पूर्वाधार निर्माण एवं ठुला मेशिनरी उपकरणमा साना किसान, समूह र सहकारीबाट लागत साझेदारी गर्न कठिन ।

### अन्तर मन्त्रालय समन्वय:

- ✓ आ.व. २०७७/७८ देखि परियोजनाको अन्य मन्त्रालयसँग सम्बन्धित कार्यक्रम क्रियाकलापको लागि बजेट विनियोजन नभएको ।
- ✓ परियोजनाका गतिविधि अन्य मन्त्रालयसँग समेत सम्बन्धित भएकोमा कृषि तथा पशुपन्छी विकास मन्त्रालयको मात्र प्राथमिकतामा रहेको तर अन्य मन्त्रालयबाट अपनत्व ग्रहण हुन नसकेको ।





## स्थायित्व सम्बन्धी समस्या:

- ✓ परियोजना अन्तर्गतको पकेट र ब्लक विभिन्न समयमा अलग अलग संयन्त्र (संघ, प्रदेश र स्थानीय तह) बाट सञ्चालन हुँदा निरन्तरता, समन्वय र स्तरोन्नतीमा समस्या देखिएको।
- ✓ पुनःसंरचनाको क्रममा परियोजना कार्यान्वयन एकाइ एवं प्राविधिक जनशक्ति कटौती भएकोले कतिपय जिल्लामा प्रभावकारी सेवा प्रवाहमा कठिनाई भएको।

## कार्यक्रमगत समस्या:

- ✓ सम्भाव्यता, नीतिगत/कानूनी आधार, सञ्चालन मोडालिटी एवं दिगोपना जस्ता विषयहरूमा पर्याप्त अध्ययन तथा विश्लेषण बिना नै परियोजनाको सुरु वर्ष देखि नै पूर्वाधार विकास विशेषगरी शीत भण्डारमा ठुलो परिमाणमा बजेट विनियोजन गरिएको।
- ✓ यी क्रियाकलाप सञ्चालनमा नीतिगत/ कानूनी र प्रक्रियागत जटिलता उत्पन्न भई हालसम्म सम्पन्न हुन नसकी परियोजनाको समस्याको रूपमा विद्यमान रहेको। **परियोजनाका सफलतालाई पनि कोल्ड स्टोरेज र मोबाइल भ्यानको समस्याले ओझेलमा पारेको।**



## बजेट तथा स्रोत साधन:

- ✓ १० वर्ष अवधिको लागि रु. १ खर्व ३० अर्व बजेट प्रक्षेपण गरिएको र सो का आधारमा आ.व. २०७९/८० सम्ममा रु. ७३ अर्व २३ करोड ८५ लाख ६९ हजार विनियोजन हुनुपर्नेमा रु. ४५ अर्व ०२ करोड ७२ लाख ७५ हजार मात्र विनियोजन भएको ।
- ✓ पकेट र ब्लक कार्यक्रमका लागि सशर्त वित्तीय हस्तान्तरणमार्फत स्थानीय तह र प्रदेशमा बजेट पठाइएको तर ब्लक र पकेट विकास कार्यक्रमको नियमित प्रतिवेदन गर्ने प्रणाली विकास हुन नसकेकोले उपलब्धिहरु संस्थागत गरी प्रतिवेदन गर्न कठिनाई भएको ।
- ✓ कार्यालय भवन एवं सवारी साधनको अपर्याप्तता र सवारी साधनहरु जीर्ण अवस्थामा रहेकाले कार्यक्रम कार्यान्वयन र अनुगमनमा समस्या देखिएको ।

## नीतिगत/कानूनी व्यवस्था:

- ✓ सहकारी/सामुहिक खेती, करार खेती, कबुलियती खेती (Lease hold Farming) र चक्लाबन्दी सम्बन्धी आवश्यक कानूनहरुको अभाव ।
- ✓ अर्गानिक उत्पादनमा प्रोत्साहन अनुदान कार्यविधिको अभाव



## प्राविधिक समस्या:

- ✓ वड उड सर्टिफिकेशन भएको विरुवा उपलब्ध हुन नसक्नु (सुन्तलाजातको विरुवा)।
- ✓ विरुवाको गुणस्तरमा समस्या (प्रमाणीकरणको संयन्त्र तयार नभैसकेको)
- ✓ केरामा लाग्ने पनामा रोगको व्यवस्थापन।
- ✓ जंगली जनावरको प्रकोप न्यूनीकरण
- ✓ मूल्यको समस्या
- ✓ धानमा उचित जातको समस्या (व्लाष्ट)
- ✓ अलैचीमा डुढुवाको व्यवस्थापन
- ✓ मौरीमा मिसावट र आयात हुने सस्तो गुणस्तरहीन महका कारण वजारीकरणमा समस्या





# परियोजना सम्बन्धी अहम् प्रश्न ???



- ❑ मध्यावधि मूल्यांकन विनानै परियोजनाको मोडालिटी संख्या करिव ७ पटक भन्दा बढि परिवर्तन भएको
- ❑ परियोजनाको पुनर्संरचना वा अन्य नाममा परियोजनालाई अस्थीर बनाइएको
- ❑ परियोजनामा व्यवसायिकरण, यान्त्रिकरण, आधुनिकीकरण र औद्योगिकीकरणका पर्याप्त अवसर र उपलब्धी हुदाहुदै चौतर्फी प्रहार भइरहेको

कारण?

- ✓ वैदेशिक सहयोगमा संचालित परियोजनाको scope घटेको त छैन?
- ✓ प्रगति ८७%, जनशक्ति, कार्यक्रम खर्च (न्यून उपभोग खर्च- १८% र शुन्य परामर्शदाता)
- ✓ विकास प्रशासन लाई असफल बनाउने रणनीति???



## प्रधानमन्त्री कृषि आधुनिकीकरण परियोजनावाट MDAC मा पेश गर्नु

| MDAC मा प्रस्तुत गर्नुपर्ने देखिएका समस्याहरू                                       | समस्या देखा पर्नुको कारण                                                                                 | समस्या समाधानका लागि प्रयास                                                                                                                                                      | समस्या समाधानका लागि उपायहरू                                                                                                                           |
|-------------------------------------------------------------------------------------|----------------------------------------------------------------------------------------------------------|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| चैते धानको वजारीकरणमा समस्या                                                        | चैते धानको मूल्य निकै कम र मूल्यमा निकै उतारचढावका कारण विक्रीमा समस्या (रु १५०० देखि १९०० सम्म)         | <ul style="list-style-type: none"> <li>चिस्यान घटाउन डायरहरूको प्रवर्धन गरिएको</li> <li>थ्रेसिंग फ्लोरको व्यवस्था</li> <li>मसिना जातका जस्तै चैते ५ जातहरूको प्रवर्धन</li> </ul> | चैते धानको लागि पनि न्यूनतम समर्थन मूल्य तोकि कार्यान्वयन गरिनु पर्ने                                                                                  |
| परियोजनको स्थीरता सम्बन्धी समस्या                                                   | परियोजनाको मध्यावधि समिक्षा विना कार्यान्वयन मोडालिटी र फिल्डस्तरका कार्यान्वयन एकाईहरूको संख्या घटाइएको | समिक्षा बैठकहरूमा उठाइने गरिएको                                                                                                                                                  | परियोजना ३ वर्ष वाकी भएको र यसको प्रतिफलहरू सकारात्मक तरिकाले देखिन लागेकोले वाकी अवधिका लागि श्रोत सुनिश्चितता सहित हालकै अवस्थामा संचालन गरिनु पर्ने |
| तीव्र व्यवसायिकरण भैरहेका वालीहरू तरकारी, केरा, महको मुख्य सिजनमा वजारीकरणको समस्या | सिमावर्ती क्षेत्रवाट मुख्य सिजनमा गुणस्तरहीन उत्पादनहरू Dumping भई वजार असन्तुलन भएको                    | वजारीकरणका लागि ढुवानी साधनहरू वितरण गरिएको भन्सार दर वढाउन विभिन्न फोरमहरूमा पैरवी गरिएको                                                                                       | क्वारेन्टाइनलाई प्रभावकारी बनाई Anti dumping, TBT/SPS Rules को माध्यमवाट नियन्त्रण गरिनु पर्ने मुख्य सिजनमा भन्सार दर वढाउनु पर्ने                     |



धन्यवाद

Thank You